TV उत्तरशक्ति NEWS
मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मुंबई
वर्षः 8 अंक 25
शुक्रवार, 01 अगस्त 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com
हर खबर निष्पक्षता के साथ

हिंदू कभी आतंकवादी नहीं हो सकताः अमित शाह

नई दिल्ली, 31 जुलाई। भारत में आतंकवाद के 'पतन' के कगार पर होने की बात दोहराते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में अपने संबोधन में कहा कि हिंदू कभी आतंकवादी नहीं हो सकते। पहलगाम नरसंहार और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान कांग्रेस पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि कांग्रेस ने कश्मीर का एक हिस्सा पाकिस्तान को दे दिया, लेकिन नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार इसे वापस लेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की उदार नीतियों और तुष्टिकरण के रवैये ने देश में आतंकवाद को पनपने और फलने-फूलने का मौका दिया। सौभाग्य से, अब हमारे पास ऐसा नेतृत्व है जो केवल दस्तावेजों पर निर्भर रहने के बजाय निर्णायक कार्रवाई करता है, ब्रह्मोस मिसाइल तैनात करता है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी चिदंबरम के इस आकलन की आलोचना करते हुए कि 22 अप्रैल को बैसरन घाटी में पर्यटकों पर हमला करने वाले आतंकवादियों से पाकिस्तान का कोई ठोस संबंध नहीं है, गृह मंत्री ने कहा, चिदंबरम साहब ने कल कहा था कि यह नहीं कहा जा सकता कि ऑपरेशन सिंदूर निर्णायक था। चिदंबरम साहब यहाँ नहीं हैं, लेकिन मैं उन्हें जवाब देना चाहता हूँ। मैं उनसे पूछना चाहता हूँ कि क्या 1965 और 1971 के युद्ध निर्णायक थे। अगर वे निर्णायक थे, तो आतंकवाद क्यों फैलता रहा?

गृह मंत्री ने कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के 2008 के उस बयान का भी ज़िक्र किया जिसमें उन्होंने 26/11 के मुंबई आतंकी हमलों में आरएसएस के शामिल होने की संभावना जताई थी। शाह ने पूछा कि हमारी एजेंसियों को इस बात के सबूत मिले हैं कि आतंकवादी पाकिस्तान से थे। लेकिन उनके (चिदंबरम के) गृह मंत्री रहते हुए अफजल गुरु को फांसी नहीं दी गई... मुंबई आतंकी हमले के बाद दिग्विजय सिंह ने कहा था कि आरएसएस ने इसे अंजाम दिया है। वे किसे बचाने की कोशिश कर रहे हैं? वे क्या कहना चाह रहे हैं? मालेगांव ब्लास्ट मामले में एनआईए कोर्ट द्वारा सभी आरोपियों को बरी किए जाने पर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि कल केंद्रीय गृह मंत्री ने राज्यसभा में क्या कहा? एक हिंदू आतंकवादी नहीं हो सकता। इस देश में सभी आतंकवादियों का एक ही धर्म है। यह साबित हो चुका है। कांग्रेस ने 'भगवा आतंकवाद' शब्द फैलाने का गंदा काम किया। अब सब कुछ स्पष्ट है, और कांग्रेस को इसके परिणाम भुगतने होंगे। पाकिस्तानी आतंकवादियों को पकड़ने के बजाय, भारत के लोगों पर आरोप क्यों लगाया गया? शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे ने कहा कि भगवा आतंकवाद का नैरेटिव गढ़ने की कोशिश करने वाले पी चिदंबरम ने कुछ समय पहले पहलगाम हमले के पीछे के हमलावरों के बारे में भी कहा था कि क्या सबूत है कि वे पाकिस्तान से आए थे?... क्या वह (पी चिदंबरम) भारतीय लोगों को आतंकवादी कह रहे थे?

बीआरएस विधायकों की अयोग्यता पर तीन महीने में फैसला लें तेलंगाना विधानसभा अध्यक्षः उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली, 31 जुलाई। उच्चतम न्यायालय ने तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष को निर्देश दिया कि वह सत्तारूढ़ कांग्रेस में शामिल होने वाले भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के 10 विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिकाओं पर तीन महीने में फैसला करें।

प्रधान न्यायाधीश बी. आर. गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि राजनीतिक दलबदल राष्ट्रीय चर्चा का विषय रहा है और अगर इसे रोका नहीं गया तो इससे लोकतंत्र को नुकसान पहुंच सकता है। पीठ ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेता पी. कौशिक रेड्डी की एक अपील स्वीकार कर ली, जिसमें विधानसभा अध्यक्ष को बीआरएस विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिकाओं पर शीघ्र

निर्णय लेने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। पीठ ने तेलंगाना उच्च न्यायालय की खंडपीठ के 22 नवंबर 2024 के फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें एकल न्यायाधीश के पूर्व आदेश में हस्तक्षेप किया गया था। प्रधान न्यायाधीश ने फैसला पढ़ते हुए कहा, ह्यह्य अयोग्यता की कार्यवाही अध्यक्ष को सौंपने का उद्देश्य अदालतों में होने वाली देरी से बचना है। शीर्ष अदालत ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष दलबदल याचिकाओं पर फैसला सुनाते समय एक न्यायाधिकरण के रूप में कार्य करते हैं और इसलिए उन्हें संवैधानिक छूट प्राप्त नहीं होती। विस्तृत फैसले की प्रतीक्षा की जा रही है। शीर्ष अदालत ने तीन अप्रैल को इस मामले पर फैसला सुरक्षित रख लिया था।

जमुई में सड़क हादसे में तीन इंजीनियरिंग छात्रों की मौत

जमुई, 31 जुलाई। बिहार के जमुई जिले में यात्रियों को ले जा रहा एक ऑटोरिक्शा सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गया, जिससे इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे तीन छात्रों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

यहां एक अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना आज सुबह लखीसराय-जमुई राजकीय राजमार्ग पर मंझवे गांव के पास हुई। उप महानिरीक्षक (मुंगेर) राकेश कुमार ने बताया, एक वाहन (ऑटोरिक्शा) खड़े ट्रक से जा टकराया और उस वाहन में सवार तीन छात्रों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। उन्होंने बताया कि

घायलों को नजदीक में स्थित सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया और शवों को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, लखीसराय स्थित सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज के सभी पांच छात्र ट्रेन पकड़ने के लिए ऑटोरिक्शा में जा रहे थे और उसी समय यह हादसा हो गया। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि पुलिस मृतकों की पहचान के प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि दुर्घटना के तुरंत बाद ऑटोरिक्शा चालक मौके से फरार हो गया।

ट्रंप की डेड इकोनॉमी वाले बयान पर राहुल ने मोदी सरकार को घेरा

नई दिल्ली, 31 जुलाई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के डेड इकोनॉमी वाले बयान पर देश की सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि हाँ, वह सही कह रहे हैं। प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री को छोड़कर सभी जानते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था एक मृत अर्थव्यवस्था है। मुझे खुशी है कि राष्ट्रपति ट्रम्प ने एक तथ्य बताया है... पूरी दुनिया जानती है कि भारतीय अर्थव्यवस्था एक मृत अर्थव्यवस्था है। भाजपा ने अडानी की मदद के लिए अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया है।

राहुल गांधी ने कहा कि विदेश मंत्री भाषण देते हैं और कहते हैं कि हमारी विदेश नीति बहुत

अच्छी है। एक तरफ अमेरिका आपको गाली दे रहा है, दूसरी तरफ चीन आपके पीछे पड़ा है। जब आप अपना प्रतिनिधिमंडल दुनिया में भेजते हैं, तो कोई भी देश पाकिस्तान की निंदा नहीं करता। वे इस देश को कैसे चला रहे हैं? पूरी तरह से भ्रम की स्थिति है।

राहुल ने कहा कि पीएम मोदी ने अपने भाषण में ट्रंप, चीन का नाम नहीं लिया... जिस पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख ने पहलगाम हमला किया, राष्ट्रपति ट्रंप उसके साथ लंच कर रहे हैं और वे कह रहे हैं कि हमें बड़ी सफलता मिली। उन्होंने आगे कहा कि मुख्य प्रश्न यह है कि ट्रम्प 30-32 बार युद्धविराम का दावा कर चुके हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पाँच भारतीय विमान गिरे हैं। अब ट्रम्प कह रहे हैं कि वे 25% टैरिफ लगाएँगे। प्रधानमंत्री मोदी इसका जवाब क्यों नहीं दे पा रहे हैं? असली वजह क्या है? उनके हाथ में नियंत्रण किसके हाथ में है?

कांग्रेस नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी सिर्फ.एक व्यक्ति के लिए काम करते हैं - अडानी के लिए। यह (भारत-अमेरिका व्यापार) समझौता होगा, और प्रधानमंत्री मोदी वही करेंगे जो ट्रंप कहेंगे।

आज भारत के सामने मुख्य मुद्दा यह है कि सरकार ने हमारी आर्थिक, रक्षा और विदेश नीति को बर्बाद कर दिया है। वे इस देश को बर्बाद कर रहे हैं।

अंडमान-निकोबार में ईडी की कार्रवाई, 200 करोड़ के बैंक लोन घोटाले में की छापेमारी

अंडमान- निकोबार, 31 जुलाई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में अपना पहला तलाशी अभियान चलाया, जिसमें अंडमान निकोबार राज्य सहकारी बैंक (एएनएससीबी) से जुड़े बड़े पैमाने पर हुए धोखाधड़ी का पता चला। एजेंसी ने पोर्ट ब्लेयर और उसके आसपास के नौ स्थानों और कोलकाता में दो जगहों पर तलाशी ली और वित्तीय अनियमितताओं के महत्वपूर्ण सबूत बरामद किए। ईडी अधिकारियों के अनुसार, पोर्ट ब्लेयर से कई आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए गए, जो सहकारी बैंक द्वारा ऋण और

ओवरड्राफ्ट सुविधाओं की मंजूरी में व्यापक उल्लंघनों का संकेत देते हैं।

प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि बैंक की आंतरिक प्रक्रियाओं और दिशानिर्देशों को दरकिनार करते हुए, कई फर्जी फर्मों को धोखाधड़ी से ऋण लाभ प्रदान किए गए। ईडी ने पाया कि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के पूर्व सांसद श्री कुलदीप राय शर्मा, जो एएनएससीबी के उपाध्यक्ष भी थे, के लाभ के लिए धन का लेन-देन करने हेतु कथित तौर पर लगभग 15 फर्जी कंपनियां स्थापित की गईं। एजेंसी ने दावा किया कि इन संस्थाओं ने धोखाधड़ी से 200 करोड़ रुपये से अधिक की ऋण सुविधाएँ प्राप्त कीं, जिनमें से एक बड़ा हिस्सा नकद में निकाला गया और कथित तौर पर लाभार्थियों को सौंप दिया गया, जिनमें स्वयं शर्मा भी शामिल थे। यहाँ यह ध्यान देने योग्य है कि ईडी ने अंडमान निकोबार पुलिस की अपराध एवं आर्थिक अपराध शाखा द्वारा कई निजी व्यक्तियों और एएनएससीबी के अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किए जाने के बाद जाँच शुरू की थी।

झारखंड में कार ईंटों के ढेर से टकराई, पांच कांवड़िये घायल

दुमका। झारखंड के दुमका जिले में बृहस्पतिवार को एक कार के ईंटों के ढेर से टकरा जाने के कारण उसमें सवार कम से कम पांच कांवड़िये घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि श्रद्धालुओं के देवघर के बैद्यनाथ धाम से दर्शन करने के बाद दुमका के बासुकीनाथ मंदिर जाते समय जरमुंडी थाना क्षेत्र के बेल्टिकरी गांव के पास यह हादसा हुआ। जरमुंडी थाने के प्रभारी श्यामानंद मंडल ने बताया, घायलों को जरमुंडी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया।

टैरिफ आर्थिक युद्ध नहीं, आत्मनिर्भर शांति का रास्ता बने

-ललित गर्ग

जब किसी वैश्विक ताकत के शिखर पर बैठा नेता व्यापार को भी सौदेबाजी और दबाव नीति का औजार बना ले, तब यह न केवल वैश्विक अर्थव्यवस्था को झकझोर देता है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों के आधारभूत सिद्धांतों को भी चुनौती देता है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाकर ऐसा ही एक आर्थिक आघात पहुँचाया है। इस टैरिफ का लक्ष्य स्पष्ट है, भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धा को बाधित करना और अमेरिकी वर्चस्व की पुनः स्थापना करना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य एवं भारत की उभरती अर्थव्यवस्था में अमेरिका की ट्रंपीय दादागिरी, एवं टैरिफ का तात्कालिक और दीर्घकालिक प्रभाव कितना क्या असर दिखायेगी, यह भविष्य के गर्भ में हैं। लेकिन इस सन्दर्भ में भारत सरकार की दृढ़ता सराहनीय है। अमेरिका हमारा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा है, दोनों का द्विपक्षीय व्यापार 2024 में 190 अरब डॉलर तक पहुंच गया था। ट्रंप और मोदी ने इस आंकड़े को दोगुना से भी ज्यादा 500 अरब डॉलर करने का लक्ष्य रखा था, लेकिन उस लक्ष्य पर सवालिया निशान लग गए हैं। ऐसे में, भारतीय कंपनियों को बहुत संभलकर अपने लिए नए बाजार खोजने व बढ़ाने चाहिए।

भारत की अर्थव्यवस्था अब दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में है। मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया जैसे अभियानों ने भारत को उत्पादन और नवाचार का नया केंद्र बनाया है। भारत का टेक्सटाइल, स्टील, ऑटो पार्ट्स और आईटी सेवा क्षेत्र वैश्विक बाजार में निरंतर अपनी पकड़ मजबूत कर रहे हैं। ऐसे में अमेरिका द्वारा टैरिफ थोपना भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिस्पर्धा से उपजे भय का संकेत है। लेकिन यह निर्णय केवल व्यापारिक नहीं, बल्कि रणनीतिक भी है। ट्रंप प्रशासन हमेशा से ही व्यापार संतुलन के मुद्दे को राष्ट्रीय गौरव से जोड़कर देखता रहा है। अमेरिका फर्स्ट की नीति का मुख्य हथियार रहा है, दूसरों को पीछे धकेलकर अमेरिका को आगे लाना। यह एकतरफा सोच व्यापार के मूल्यों और साझेदारी की भावना को कमजोर करती है। व्यापार समझौते पर 1 अगस्त की समय सीमा तक दोनों देशों के बीच जारी बातचीत किसी नतीजे पर न पहुंचने का बड़ा कारण भारत का अमेरिका की शर्तों पर समझौता करने के लिए तैयार नहीं होना रहा है। उसे आगे भी तैयार नहीं होना चाहिए। इसका कोई मतलब नहीं कि भारत अमेरिका से ऐसा व्यापार समझौता कर ले, जो केवल उसके हित में हो। इस तरह के समझौते तो तभी हो पाते हैं, जब दोनों पक्षों के हित सधते हैं। भारत को अपने हितों की रक्षा के लिए अडिग रहना चाहिए और यह स्पष्ट करने में संकोच भी नहीं करना चाहिए कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति के अनुचित दबाव के आगे झुकने वाला नहीं। भारत को ट्रंप के मनमाने फैसलों से डरने की आवश्यकता इसलिए भी नहीं, क्योंकि वे अपने फैसलों से पीछे हटने और उन्हें पलटने के लिए जाने जाते हैं। उनके इस रवैये के कारण उनकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फजीहत भी हो रही है। उन्हें यह समझ आ जाए तो अच्छा कि आज का भारत पहले वाला भारत नहीं है और अमेरिका का भी प्रभाव पहले जैसा नहीं रहा।

डोनाल्ड ट्रंप की नीति अक्सर दबाव डालो और झुकावो पर आधारित रही है। चीन, यूरोप, मैक्सिको के साथ भी ट्रंप की व्यापार नीति टकरावपूर्ण रही है। लेकिन भारत, ऐतिहासिक रूप से संतुलन साधने वाली कूटनीति में विश्वास करता रहा है। भारत ने कई बार वार्ता के माध्यम से समझौते की दिशा में पहल की, लेकिन ट्रंप की आक्रामक नीति और डीलमेकिंग की व्यक्तिगत शैली ने किसी संतुलन को बनने नहीं दिया। भारत पर लगाया गया 25 प्रतिशत टैरिफ न केवल आर्थिक रूप से अनुचित है, बल्कि यह उभरते राष्ट्रों के आत्मनिर्भर बनने के अधिकार का भी हनन है। यह नव-उपनिवेशवाद का नया रूप है, जहाँ आर्थिक हथियारों से शक्तिशाली राष्ट्र, विकासशील देशों को नियंत्रित करना चाहते हैं। राष्ट्रपति ने भारत पर टैरिफ बढ़ाने और जुमार्ना लगाने की जो घोषणा की, वह उनकी दबाव की राजनीति का ही हिस्सा है। इस राजनीति की पोल खुल चुकी है। अच्छा होगा कि इसे देश के विपक्षी दल भी समझें। इसलिए और भी समझें कि संसद में आपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने साफ तौर पर कहा कि सैन्य कार्रवाई को स्थगित किए जाने के सिलसिले में विश्व के किसी भी नेता की कहीं कोई भूमिका नहीं। स्पष्ट है कि भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई को कथित तौर पर रोकने का ट्रंप का दावा फर्जी है। वास्तव में इसी कारण वे अपने इस थोथे दावे को बार-बार दोहरा रहे हैं।

आज का भारत न केवल एक विशाल बाजार है, बल्कि एक नवाचारशील शक्ति भी है। दुनिया की सबसे बड़ी युवा जनसंख्या, तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था, और विविधता से समृद्ध उत्पादन क्षमता भारत को वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की ओर अग्रसर कर रही है। भारत अब निर्भरता की नीति से निकलकर आत्मनिर्भरताह्व की ओर बढ़ रहा है। ट्रंप के टैरिफ का प्रभाव सीमित और अस्थायी होगा, लेकिन भारत की आर्थिक विकास यात्रा दीर्घकालिक और दृढ़ है। भारत के लिए यह चुनौती अवसर में बदलने का समय है, नए बाजारों की तलाश, घरेलू उत्पादन को और सशक्त बनाना, और वैश्विक साझेदारियों को नए रूप में ढालना। ट्रंप की दादागिरी भारत को झुका नहीं सकती। बल्कि यह भारत को और मजबूत और आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दे सकती है। यह समय है जब भारत को अपने उत्पादन, नवाचार, निर्यात और कूटनीति को और धार देने की आवश्यकता है। हमें यह समझना होगा कि शक्ति का उत्तर शक्ति से नहीं, दूरदृष्टि और नीति से दिया जाना चाहिए। ट्रंप का टैरिफ एक चुनौती है, लेकिन भारत की आत्मा में संघर्ष से जीतने का इतिहास है। हमने हर संकट को अवसर में बदला है, और इस बार भी हम यही करेंगे, न केवल अपनी अर्थव्यवस्था के लिए, बल्कि वैश्विक आर्थिक संतुलन के लिए भी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आर्थिक चिंतन मूलतः आत्मनिर्भर भारत, विकास के साथ विश्वास, और ह्यसमान साझेदारी के सिद्धांतों पर आधारित रहा है। वे वैश्विक मंच पर भारत को एक समानाधिकार संपन्न राष्ट्र के रूप में प्रस्तुत करते हैं, न कि किसी बड़े राष्ट्र की कृपा पर चलने वाली व्यवस्था के रूप में। जब डोनाल्ड ट्रंप जैसे नेता भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ का प्रहार करते हैं, तो नरेंद्र मोदी की सोच विरोध नहीं, विकल्प पर आधारित होती है। वे इस तरह के दबावों को एक नई दिशा में सोचने और घरेलू उत्पादन एवं वैश्विक विविधीकरण का अवसर मानते हैं। टैरिफ वार के उत्तर में मोदी की प्रतिक्रिया सकारात्मक ही होती हुई दिख रही है, वे ट्रंप के टैरिफ से प्रभावित क्षेत्रों जैसे स्टील, ऑटो पार्ट्स, टेक्सटाइल को सरकारी सब्सिडी, टैक्स रियायत और तकनीकी समर्थन के जरिए बल दे सकते हैं। अमेरिका के अतिरिक्त यूरोप, दक्षिण-पूर्व एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका जैसे नए बाजारों में भारत अपनी पकड़ को और मजबूत करते हुए इस टैरिफ से उत्पन्न संकट को संतुलित कर सकता है।

ट्रंप भारत को अपना मित्र मानते हैं। लेकिन यह कैसी मित्रता है, जिसमें ट्रंप को भारत के गरीबों, किसानों, मजदूरों की कोई चिंता नहीं है। लेकिन मोदी की विदेश नीति में भी ह्यअमेरिका के साथ मित्रता है, लेकिन ह्यआत्मगौरव की कीमत पर नहीं। वे संवाद और दृढ़ता-दोनों का प्रयोग करते हैं। दबाव की राजनीति से न तो भारत झुकेगा, न रुकेगा। ट्रंप का टैरिफ हो या कोई और वैश्विक चुनौती, मोदी का भारत हर संकट में अवसर खोजता है। मोदी की आर्थिक दृष्टि एवं नीतियां किसी बाहरी राष्ट्र के मनोनुकूल नहीं, बल्कि भारत की आवश्यकताओं, संभावनाओं और स्वाभिमान के अनुरूप गढ़ी गई है। जब वैश्विक महाशक्तियां टैरिफ के हथियार से डराने लगें, तो समझो कि भारत की प्रतिस्पर्धा ने उन्हें असहज कर दिया है। मोदी इसे चुनौती नहीं, पहचान मानते हैं। मोदी कहते हैं-लोकल को ग्लोबल बनाओ, और यही उनका उत्तर है हर टैरिफ, हर दबाव, हर चुनौती को। मोदी की अर्थनीति उद्यमशीलता को राष्ट्रनिर्माण से जोड़ती है। उनका आर्थिक चिंतन केवल विकास नहीं, बल्कि स्वराज्य आधारित समावेशी आर्थिक स्वतंत्रता है। ट्रंप के टैरिफ की चुनौती को वे उसी तरह लेते हैं जैसे उन्होंने कोविड या ग्लोबल मंदी की ली थी-साहस, दूरदर्शिता और आत्मनिर्भरता के साथ।

बिहार में मुकेश सहनी को लेकर रोचक राजनीतिक घटनाक्रम चल रहा है!

अशोक भाटिया

बिहार में इसी साल के अंत तक विधानसभा चुनाव होंगे और चुनाव को लेकर राज्य में सियासी सरगर्मी भी तेज है। महागठबंधन में शामिल सभी दल चुनाव की तैयारियों में जुटे हुए हैं। हालांकि, महागठबंधन में अभी सीट बंटवारे को लेकर कुछ भी तय नहीं हुआ है। इस बीच महागठबंधन में शामिल विकासशील इंसान पार्टी के मुखिया मुकेश सहनी ने बड़ा ऐलान कर दिया है। मुकेश सहनी ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर ऐलान करते हुए बता दिया है कि उनकी पार्टी बिहार चुनाव में कितनी सीटों पर लड़ेगी। विकासशील इंसान पार्टी के संस्थापक मुकेश सहनी ने कहा कि उनकी पार्टी विधानसभा चुनाव में 60 सीटों पर प्रत्याशी उतारेगी। श्ह्व चीफ ने एक्स पर लिखा, विकासशील इंसान पार्टी, 2025 में 60 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, शेष सभी सीटों पर हमारे सहयोगी दलों के प्रत्याशी चुनाव लड़ेंगे।'

मुकेश सहनी ने हाल ही फूलन देवी की स्मृति में आयोजित समारोह में तेजस्वी यादव के समक्ष कहा था कि 2025 में हमारी सरकार बनेगी और बिहार के अगले मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव होंगे। इसमें उपमुख्यमंत्री बिहार के अतिपिछड़ा समाज से मल्लाह का बेटा होगा। आपको बता दें कि मुकेश सहनी पहले भी कई बार विधानसभा चुनाव में 60 सीटों पर दावा करते आए हैं।

हालांकि, एक्स अकाउंट पर इस तरह से 60 सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान उन्होंने पहली बार किया है। यह कहा जा रहा है कि महागठबंधन में शामिल कांग्रेस 70 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है। वहीं भाकपा-माले इस चुनाव में 45 सीटों पर उतरने की ख्वाहिश रखती है। अभी महागठबंधन में सीट शेयरिंग का औपचारिक तौर से ऐलान नहीं हुआ है।

बताया जाता है कि बिहार विधानसभा चुनाव में 60 सीट मांग रही विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के अध्यक्ष और पूर्व मंत्री मुकेश सहनी पटना में राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव के आवास पर बुधवार को बुलाई गई महागठबंधन की बैठक छोड़कर दिल्ली पहुंच गए हैं। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बालगोविंद बिंद महागठबंधन की कोर्डिनेशन कमिटी की बैठक में शामिल हुए। मुकेश सहनी लगातार 60 सीट मांग रहे हैं और कह रहे हैं कि थोड़ा-बहुत कम सीट मिलेगा तो भी चलेगा। महागठबंधन में मुकेश सहनी के लिए थोड़ा-बहुत कम सीट निकालना मुश्किल है। सहनी ने मीडिया को दिल्ली में आज इंटरव्यू के दौरान बताया कि मीटिंग की सूचना रात में आई और तब तक वो दिल्ली के लिए निकल चुके थे, इसलिए प्रदेश अध्यक्ष गए हैं।दो दिन पहले ही मुकेश सहनी ने सोशल मीडिया पर पार्टी का दो एजेंडा शेयर किया था। पहले एजेंडा में सहनी ने लिखा- ह्लविकासशील इंसान पार्टी 60 सीटों पर लड़ेगी, शेष सीटों पर सहयोगी दलों के प्रत्याशी चुनाव लड़ेंगे।ह्व दूसरे एजेंडा में सहनी ने कहा- ह्लपार्टी ने विधानसभा चुनावों के लिए एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए घोषणा की है कि 50% सीटों पर अति पिछड़ा वर्ग और एससी-एसटी समाज के उम्मीदवारों को मैदान में उतारेगी। दशकों से जिन समुदायों को सत्ता में भागीदारी से वंचित रखा गया, श्ह्व उन्हें नेतृत्व देने के लिए प्रतिबद्ध है। ज्ञात हो कि बिहार में 2020 के विधानसभा चुनाव में भी मुकेश सहनी सीट बंटवारे के मसले पर महागठबंधन से आखिरी मौके पर नाराज होकर बाहर आ गए थे। तेजस्वी यादव की प्रेस कॉन्फ्रेंस से उठकर गए सहनी ने बाद में एनडीए का दामन थामा, जहां बीजेपी कोटे से उन्हें 11 सीटें मिलीं। सहनी के 4 विधायक जीते और वो मंत्री भी बने। लेकिन यूपी में कई सीटों पर भाजपा के खिलाफ 2022 का चुनाव लड़ना उन्हें महंगा पड़ा। सीएम नीतीश कुमार ने सहनी को सरकार से बर्खास्त कर दिया। भाजपा ने उनके तीन विधायकों को अपनी पार्टी में शामिल कर लिया। तब से सहनी विपक्षी दलों के साथ चल रहे हैं।

अब बिहार में मुकेश सहनी को लेकर रोचक राजनीतिक घटनाक्रम चल रहा है। एनडीए के नेता उन्हें वापस बुलाने में जुट गए हैं। हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के नेता और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी के बेटे और नीतीश सरकार में मंत्री संतोष कुमार सुमन ने आज ही कहा है कि सहनी को तेजस्वी 60 सीट नहीं देंगे इसलिए बेहतर है कि वो एनडीए में लौट आएं। संतोष सुमन ने कहा है कि सहनी समाज भी एनडीए के साथ है।

ज्ञात हो कि सन ऑफ मल्लाह के नाम से राजनीति में आए मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) की स्थापना 4 नवंबर 2018 को हुई थी। राज्य में निषाद (मल्लाह) समाज को अनुसूचित जाति में शामिल कराने की मांग पर पार्टी मुखर है। महज सात साल पुरानी इस पार्टी ने अब तक तीन चुनाव में उम्मीदवार उतारे हैं। इनमें दो लोकसभा और एक विधानसभा चुनाव शामिल हैं। खास बात यह है कि वीआईपी ने बारी-बारी से सवारी दोनों नावों (गठबंधनों) की की है, लेकिन किनारा भी दूर है। 2019 और 2024 के लोकसभा चुनाव में यह महागठबंधन का हिस्सा रही। जबकि, 2020 का विधानसभा चुनाव एनडीए के साथ लड़ी। अब एक बार फिर वीआईपी महागठबंधन के खेमे में ताल ठोक रही है।वीआईपी की राजनीति पर गौर करें तो मछुआरा, मल्लाह, केवट सहित इस समूह के मतदाता इसके लक्ष्य रहे हैं। बॉलीवुड फिल्मों के कामयाब सेट डिजाइनर रहे मुकेश सहनी ने 2015 में निषाद विकास संघ की स्थापना की थी। इस साल हुए विधानसभा चुनाव में उन्होंने भाजपा के लिए प्रचार भी किया था।

पहली बार वीआईपी 2019 के लोकसभा चुनाव में उतरी थी तब बिहार में राजद और कांगेस के महागठबधंन में वीआईपी को मुजफ्फरपुर, खगड़िया और मधुबनी सीट मिली थी। लेकिन तीनों सीटों पर इसके उम्मीदवारों की हार हुई। खुद मुकेश सहनी खगड़िया से चुनाव हार गए। मुजफ्फरपुर से 2019 में राजभूषण चौधरी वीआईपी के उम्मीदवार थे। अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी के रूप में उतरे और जीतने के बाद राजभूषण केंद्र सरकार में राज्य मंत्री हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में महागठबंधन से वीआईपी को फिर तीन सीटें मिलीं। राजद के हिस्से की तीनों सीटों झंझारपुर से सुमन कुमार महासेठ, गोपालगंज से चंचल पासवान और मोतिहारी से डॉ. राजेश कुशवाहा बतौर वीआईपी उम्मीदवार उतरे, लेकिन तीनों ही चुनाव हार गए।

वीआईपी के संस्थापक मुकेश सहनी कभी हेलीकॉप्टर तो कभी रथ को लेकर भी चर्चा में रहे। मुकेश सहनी ने 2014-15 में हेलिकॉप्टर से बिहार के विभिन्न जिलों में ताबड़तोड़ यात्रा की थी। जिला और क्षेत्र ऐसा चुना, जहां मल्लाह-निषादों की आबादी अधिक थी। खुद को सन ऑफ मल्लाह घोषित किया। इसे खूब प्रचारित किया। इसके बाद करोड़ों की लक्जरी गाड़ी को रथ के रूप में तैयार कर यात्रा की थी। छोटी सीसी में गंगा जल भर लोगों को गंगा जल के साथ शपथ दिलाने के लिए कई सभाएं कीं।

हाल ही में जब उनसे पूछा गया था कि अगर मोदी जी निषाद समाज को आरक्षण दे देते हैं तो महागठबंधन छोड़कर उनके साथ चले जाएंगे तो मुकेश सहनी ने जोर देते हुए कहा कि मोदी जी के लिए प्राण तक दे देंगे। अगर चुनाव से पहले मोदी आरक्षण लागू कर दें तो हमसे प्राण मांगेंगे तो दे देंगे। हमारी लड़ाई निषाद समाज के रिजर्वेशन के लिए है। मुकेश सहनी के इस बयान से कांग्रेस पार्टी ने गहरी नाराजगी और आपत्ति जताई है। पार्टी नेता प्रेमचंद्र मिश्रा ने कहा है कि गठबंधन के साथियों को कोई भी बात बैठक में रखना चाहिए ना कि मीडिया में। सीटों के बंटवारे पर अभी कोई बात नहीं हुई है। मुकेश सहनी का बयान प्री मैच्योर है। उन्होंने तेजस्वी यादव से इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है। वे महागठबंधन में शामिल हैं और बीजेपी-जेडीयू पर कुछ कहने के बजाए कांग्रेस पर आधारहीन आरोप लगाते हैं। यह स्वीकार नहीं है।

भगवा हुआ निर्दोष, सनातन की जीत!

-सुरेश गांधी

जब 2008 में मालेगांव विस्फोट की गूंज महाराष्ट्र के एक छोटे कस्बे से निकलकर राष्ट्रीय मीडिया की हेडलाइन बनी, तो किसी ने अनुमान भी नहीं लगाया था कि यह महज एक आतंकी घटना की जांच नहीं, बल्कि भारत की सनातन पहचान और भगवा संस्कृति पर सबसे बड़ा वैचारिक हमला सिद्ध होगी। और आज, 16 वर्षों बाद जब न्यायालय ने स्पष्ट कहा, कोई सबूत नहीं, कोई अपराध सिद्ध नहीं हुआ, तब यह केवल न्याय की औपचारिक घोषणा नहीं रही, यह उस सुनियोजित प्रपंच का पूर्ण विघटन था जिसे भगवा आतंकवाद के नाम से प्रचारित किया गया। या यूं कहे भारतीय राजनीति और सामाजिक विमर्श में भगवा आतंकवाद जैसा शब्द एक समय ऐसा बवंडर बनकर उभरा था, जिसने न केवल भारत की सनातन परंपरा, हिंदू पहचान और संस्कृति को कठघरे में खड़ा किया, बल्कि सच्चे राष्ट्रभक्तों के सम्मान को भी अपमानित किया। यह शब्द न केवल राजनीतिक ध्रुवीकरण का औजार बना, बल्कि सुनियोजित रूप से हिंदू को आतंक से जोड़ने की कवायद भी की गई। लेकिन अब अदालत के एक ऐतिहासिक फैसले ने उस पूरी साजिश की परतें उधेड़ दी हैं। 2008 के मालेगांव बम विस्फोट मामले में अदालत ने एक बार फिर प्रज्ञा सिंह ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल श्रीकांत पुरोहित सहित सभी आरोपितों को बरी कर दिया। एनआईए (राष्ट्रीय जांच एजेंसी) को इस मामले में कोई ठोस सबूत नहीं मिले। इस निर्णय ने वर्षों से चल रहे उस प्रोपेगेंडा को ध्वस्त कर दिया है जिसे भगवा आतंकवाद के नाम पर गढ़ा गया था।

बता दें, 13 सितंबर 2008 मालेगांव (नासिक, महाराष्ट्र) में बम विस्फोट हुआ था, जिसमें 6 की मौत, दर्जनों घायल हुए थे. इस मामले में अक्टूबर 2008 एटीएस (महाराष्ट्र) की जांच शुरू हुई, साध्वी प्रज्ञा ठाकुर, ले. कर्नल श्रीकांत पुरोहित सहित कई हिंदू कार्यकर्ता गिरफ्तार किए गए. नवंबर 2008 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार के वरिष्ठ नेताओं द्वारा भगवा आतंकवाद और हिंदू टेरर जैसे शब्दों का सार्वजनिक प्रयोग किया गया. एक साजिश के तहत 2009-2010 में चार्जशीट में अभिनव भारतह्व और भगवा संगठनों का नाम, मीडिया ट्रायल तेज किया गया. 2011-2012 में आरोपी बार-बार कोर्ट में यातनाओं और बिना सबूत जेल में रखने की शिकायत करते रहे. आरोपितों के अनुसार, उनसे जबरन कबूलनामे करवाए गए। साध्वी प्रज्ञा को लंबे समय तक बिना चार्जशीट जेल में रखा गया, मेडिकल उपचार से वंचित किया गया। 2014 में जब केंद्र में सत्ता परिवर्तन हुआ तो एनआईए द्वारा केस की दोबारा समीक्षा शुरू हुई. 2016 में एनआईए ने कहा, साध्वी प्रज्ञा के खिलाफ कोई ठोस सबूत नहीं है, केस से हटाने की सिफारिश की गयी. 2017 में प्रज्ञा ठाकुर को जमानत मिली, कोर्ट ने एनआईए की रिपोर्ट पर संज्ञान लिया. 2019 में प्रज्ञा सिंह ठाकुर भोपाल से लोकसभा चुनाव जीतीं, संसद में पहुंचीं. 2023-24 में केस की सुनवाई अंतिम दौर में पहुंची, कई गवाह पलटे, एटीएस की जांच पर सवाल उठाएं गए. आज 31 जुलाई 2025 में विशेष एनआईए कोर्ट ने सभी आरोपियों को बरी किया, कहा कोई साक्ष्य नहीं है आरोपियों को सजा देने के लिए. उनके पास न तो विस्फोट में साध्वी की कोई प्रत्यक्ष संलिप्तता का प्रमाण है, न ही कोई ठोस भौतिक साक्ष्य। न्यायालय ने कहा कि किसी को केवल किसी वैचारिक संगठन से जुड़ाव के आधार पर दोषी नहीं ठहराया जा सकता, जब तक कोई प्रत्यक्ष अपराध सिद्ध न हो। इतना ही नहीं जांच अधिकारियों और पूर्व गृह मंत्रालय के कुछ अधिकारियों ने भी बाद में यह माना कि इस केस में राजनीतिक निर्देश काम कर रहे थे।

फिरहाल, अब जब अदालत ने पूरी थ्योरी को झूठा सिद्ध कर दिया है, यह देश के सामने एक नैतिक प्रश्न है. देश जानना चाहता है कि क्या भगवा आतंकवादः एक राजनीतिक जाल या विचारधारा पर हमला था? क्या अब कोई माफी मांगेगा? क्या अब कांग्रेस और हिंदू टेरर शब्द गढ़ने वाले नेता माफी मांगेंगे? क्या जांच एजेंसियों की भूमिका की जांच होगी जिन्होंने निदोर्षों को वर्षों तक जेल में डाला? क्या मीडिया आत्मावलोकन करेगा जिसने हेडलाइन बना दी, ह्लहिंदू आतंक का चेहरा? यहां जिक्र करना जरुरी है कि भगवा भारत में त्याग, बलिदान, धर्म और ज्ञान का प्रतीक रहा है। ऋषियों के वस्त्र हों, भगवान राम और कृष्ण की पताका हो या राष्ट्रध्वज का शीर्ष रंग. भगवा हमारी चेतना का सार रहा है। लेकिन 2008 के बाद इसे एक विशेष षड्यंत्र के तहत आतंक से जोड़ा गया। तत्कालीन सरकार की प्रेरणा से कुछ अधिकारियों और बुद्धिजीवियों ने इस शब्द को मीडिया और मंचों पर प्रचारित किया। कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने खुले मंच से हिंदू टेरर शब्द का उपयोग कर दिया, जिसने इस साजिश को वैचारिक आधार दे दिया।

आखिरकार, यह एक बड़ी रणनीति थी, देश के बहुसंख्यक समाज की सांस्कृतिक धारा को अपराधी साबित करने की। यह वही सोच थी, जो हिंदुत्व को ह्लफासीवादह्व, ह्लसांप्रदायिकताह्व और अब आतंकवाद के रूप में परिभाषित करने पर तुली थी। प्रज्ञा सिंह ठाकुर, कर्नल पुरोहित और अन्य आरोपियों के खिलाफ ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है जिससे यह साबित हो सके कि वे विस्फोट की योजना या क्रियान्वयन में शामिल थे। यह निर्णय एक कानूनी प्रक्रिया भर नहीं था, यह भारत की सांस्कृतिक चेतना की मुक्ति की घोषणा था। कहा जा सकता है भगवा सनातन का रंग, कभी आतंक का नहीं था, भगवा वह रंग है जो, रामकृष्ण परमहंस और स्वामी विवेकानंद की वेशभूषा है. सन्यास और तपस्या का प्रतीक है. तिरंगे के शीर्ष पर प्रतिष्ठित है. राष्ट्र के बलिदान और सेवा का रंग है. इसी रंग को आतंकवाद से जोड़ देना भारत की आत्मा पर हमला था। अदालत का फैसला उस हमले का उत्तर है।

साध्वी प्रज्ञाः अपमान से संसद तक की यात्रा

एक महिला, एक साध्वी, एक सनातन विचारधारा की प्रतिनिधि, जिन्हें आतंकवादी कहा गया, प्रताड़ित किया गया, अपमानित किया गया। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। अब वे सांसद हैं और उन्होंने फैसले के बाद कहा, ह्ययह मेरी नहीं, सनातन की विजय है। जो लोग सनातन धर्म को आतंक से जोड़ते हैं, वे पाप के भागी हैं। हम उन सभी को भगवान के न्याय से दंडित होते देखेंगे।ह्व भगवा पर लगा झूठा कलंक मिट गया। जिन्होंने उसे कलंकित किया, वे अब सत्य से डरें। अब इतिहास पलटेगा, क्योंकि सत्य जाग गया है. यह वक्तव्य सिर्फ एक प्रतिक्रिया नहीं, एक चेतावनी है, उन तमाम ताकतों के लिए जो भारत की मूल सांस्कृतिक पहचान को दुष्प्रचार और वैचारिक हमले के जरिए मिटाने पर आमादा हैं। अफसोस है कि बिना जांच पड़ताल के जिस दिन साध्वी को गिरफ्तार किया गया था, उसी दिन मीडिया चैनलों पर ब्रेकिंग चली, ह्लहिंदू आतंक का चेहरा? बहसें हुईं, व्यंग्य किए गए, नेताओं के बयान आए, ह्लअब साफ हो गया कि हिंदू आतंक भी होता हैह्ल। लेकिन अब वही मीडिया इस बरी होने की खबर को प्रमुखता नहीं दे रहा। क्यों? ऐसे मामलों में तथाकथित सेक्युलर बुद्धिजीवी वर्ग की चुप्पी भी संदेहजनक है। वे जो वर्षों तक भगवा से खतरा बताते रहे, आज मौन हैं। क्या उन्हें यह स्वीकार करना कठिन है कि उन्होंने बिना तथ्यों के पूरे समाज को बदनाम किया?

भगवाः कोई रंग नहीं, सनातन चेतना का प्रतीक

भगवा कोई पार्टी का रंग नहीं है। यह वह चेतना है जो वेदों में प्रवाहित होती है, जो गीता में अर्जुन के रथ के ऊपर लहराती है, जो चित्तौड़ की रानी पद्मावती की ज्वाला में दिखाई देती है, और जो हर सुबह मंदिरों में आरती की लौ में चमकती है। जिस रंग को आतंक से जोड़ा गया, उसी रंग ने हजारों वर्षों तक अहिंसा, ज्ञान और शौर्य की परंपरा को पोषित किया है। भगवा केवल वस्त्र नहीं, एक संस्कार है।

अब कौन देगा जवाब?

क्या अब वे राजनेता देश से माफी मांगेंगे जिन्होंने हिंदू आतंक शब्द को स्थापित करने की कोशिश की? क्या वे अफसर सार्वजनिक रूप से सफाई देंगे जिनकी जांच ने निदोर्षों को सालों तक जेल में रखा? क्या मीडिया अपनी गलती स्वीकार करेगा? क्या न्यायपालिका अब इस पूरे प्रकरण की स्वतंत्र जांच की सिफारिश करेगी? मतलब साफ है मालेगांव ब्लास्ट केस केवल एक आतंकी हमले की कानूनी पड़ताल नहीं थी। यह एक पूरे समाज, संस्कृति और विचारधारा के ऊपर लगाए गए झूठे आरोपों की कसौटी थी। अब जब अदालत ने फैसला सुना दिया है, यह समय है कि हम आत्ममंथन करें, क्या हमने सिर्फ राजनीतिक लाभ के लिए अपने ही सभ्यता को आतंक कह दिया? भगवा झुका नहीं, भगवा झूठा नहीं साबित हुआ, अब समय है कि भगवा को अपमानित करने वाले खुद कटघरे में खड़े हों। आज जब साध्वी प्रज्ञा, कर्नल पुरोहित और अन्य निर्दोष बरी हो गए, यह सिर्फ कानूनी राहत नहीं, एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण है। भगवा आतंकवाद का झूठ अब न्यायालय में असत्य सिद्ध हुआ। लेकिन अब समय है कि देश उन लोगों की भी पहचान करे जिन्होंने इस झूठ को गढ़ा, फैलाया और वर्षों तक पोषित किया। यह भगवा की नहीं, भारत की आत्मा की विजय है। अब वक्त है, सिर्फ केस बंद करने का नहीं, वैचारिक अपराधियों को बेनकाब करने का।

पीड़ा, आक्रोश और सत्य की संतुष्टि

भोपाल और उज्जैन से लेकर प्रयागराज, वाराणसी और लखनऊ तक साध्वी समर्थकों और हिंदू संगठनों में खुशी की लहर है। काशी में तपस्वी संत मंडल के अगुवा स्वामी जीतेन्द्रानंद सरस्वती महराज ने कहा, सनातन को आतंक बताने वाले अब खुद कठघरे में हैं। अब मीडिया और नेताओं को माफी मांगनी चाहिए। भोपाल में श्रद्धालुओं ने भगवा ध्वज फहराकर मनाया न्याय का पर्व। मालेगांव में भी स्थानीय लोग हैरान है, इतने साल लगे और अंत में सब निर्दोष निकले... तो फिर असली दोषी कौन?

संदेह कैसे पनपा?

2006 से 2008 के बीच भारत में एक के बाद एक आतंकवादी हमले हुए, मुंबई लोकल ट्रेन ब्लास्ट, मालेगांव (2006), समझौता एक्सप्रेस (2007), अजमेर दरगाह विस्फोट (2007), हैदराबाद, जयपुर, दिल्ली और अंततः मालेगांव (2008)। इनमें अधिकांश घटनाओं में लश्कर-ए-तैयबा, हूजी, इंडियन मुजाहिदीन जैसे इस्लामी आतंकी संगठनों की भूमिका प्रारंभिक जांच में सामने आई थी। लेकिन अचानक 2008 के मालेगांव ब्लास्ट के बाद एटीएस ने दिशा बदली। हिदू साध्वी, पूर्व आर्मी अफसर और राष्ट्रवादी संगठनों से जुड़े लोगों को आरोपी बनाकर ह्यभगवा आतंकवादह्व शब्द गढ़ा गया। कुछ अहम संकेत जो शक को जन्म देते हैंः समझौता एक्सप्रेस ब्लास्ट (2007) में अमेरिका की जांच एजेंसी एफबीआई ने पाकिस्तान स्थित आतंकी अजहर, शाहिद और अ?शद की भूमिका बताई। लेकिन भारत में यूपीए सरकार ने स्वामी असीमानंद को आरोपी बना दिया। अजमेर दरगाह विस्फोट में शुरूआती रिपोर्ट में इंडियन मुजाहिदीन का नाम था। बाद में एटीएस ने भगवा गुटों का नाम जोड़ दिया। तत्कालीन गृह मंत्री पी. चिदंबरम ने 2010 में आधिकारिक तौर पर सैफ्रन टेरर शब्द संसद में बोले, भारत को अब भगवा आतंकवाद से भी नजरें नहीं फेरनी चाहिए। सवाल ये है कि क्या ऐसा बयान देना न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास नहीं था? 26/11 के मुंबई हमले के बाद पाकिस्तानी विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने भी कहा था, हमें तो भारत के ही मंत्री ने बताया कि हिन्दू आतंक भी है। क्या भारत के एक आंतरिक राजनीतिक नैरेटिव को विदेशी शत्रु राष्ट्र ने अपने बचाव में इस्तेमाल किया? क्या कांग्रेस हिंदू टेरर दिखाकर असली आतंकियों से ध्यान भटकाना चाहती थी? यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि लश्कर, जैश, इंडियन मुजाहिदीन जैसे संगठनों की जांच धीमी पड़ गई। आतंकी मामलों को ह्यसंप्रदाय आधारित दृष्टिकोण से देखा जाने लगा। सुरक्षा एजेंसियों पर एक वैचारिक दबाव बना कि वे हिंदू संगठनों की जांच को तेज करें। इसका दुष्परिणाम यह हुआ कि निर्दोष जेल गए, आतंक की असली जड़ें समय पर नहीं काटी गईं, राष्ट्र की सुरक्षा राजनीति की भेंट चढ़ गई।

ह्यभगवा आतंकवादह्ल शब्द एक अचानक उपजे विचार का परिणाम नहीं था। यह एक गहरी राजनीतिक रणनीति का हिस्सा था। इस विचारधारा का उद्देश्य था, बहुसंख्यक समाज की धार्मिक पहचान को ह्लसंदिग्धह्ल बनाना. राष्ट्रवादी संगठनों को ह्लकट्टरपंथीह्ल सिद्ध करना. चुनावी लाभ के लिए समाज में वैचारिक विभाजन पैदा करना. सिर्फ यही नहीं, जांच एजेंसियों पर भी राजनीतिक दबाव के आरोप लगे। अदालत में कई गवाहों ने कहा कि उन्हें बयान बदलने के लिए दबाव डाला गया था। मतलब साफ है मालेगांव विस्फोट से लेकर न्यायालय के फैसले तक, एक वैचारिक युद्ध का अंत तो हो गया, लेकिन भारत जानना चाहता है, ह्लक्या उस समय सत्ता में बैठी सरकार ने आतंकवाद पर सच्चाई छिपाकर देश को धोखा दिया?ह्व क्या उस समय की सत्ता ने आतंकियों को बचाने और भारत की सनातन पहचान को बदनाम करने के लिए ह्लभगवा आतंकवादह्ल का झूठ गढ़ा? क्या यह एक सुनियोजित वैचारिक षड्यंत्र था? क्या कांग्रेस को देश से माफी मांगनी चाहिए? क्या ऐसे नेताओं की भूमिका की जांच होनी चाहिए जिन्होंने एक विचारधारा विशेष को निशाना बनाया? फिरहाल, मालेगांव ह्लभगवा हुआ निर्दोषह्ल, यह वाक्य एक न्यायिक सत्य के साथ-साथ सांस्कृतिक पुनर्जागरण का उद्घोष है। ह्लसनातन की जीतह्ल, यह केवल कोर्ट का फैसला नहीं, यह करोड़ों भारतवासियों की आस्था, आत्मसम्मान और सभ्यता की पुनर्प्रतिष्ठा है. अब वक्त है, उन चेहरों को पहचानने का जिन्होंने राष्ट्रधर्म को कलंकित किया। अब वक्त है, न्याय की भावना को केवल निर्णय में नहीं, नीति में उतारने का

अवादा ग्रुप ने 1 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के विकास के लिए बिहार सरकार के साथ समझौते पर किए हस्ताक्षर

मुंबई। भारत के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की अग्रणी कंपनी अवादा ग्रुप ने बिहार सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं जिसके तहत पूरे राज्य में 1 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं का विकास किया जाएगा। इस एमओयू के अनुसार, अवादा कुल 1 गीगावाट क्षमता की नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के विकास के लिए 5,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, जिसमें ग्राउंड-माउंटेड, फ्लोटिंग सोलर, सामुदायिक सौर संयंत्र, बैटरी भंडारण परियोजना आदि शामिल हैं। बिहार सरकार कंपनी को राज्य के संबंधित विभागों से आवश्यक अनुमोदन या मंजूरी आदि प्राप्त करने में भी सुविधा प्रदान करेगी।नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं और पीएसपी परियोजनाओं पर नई नीति के शुभारंभ के अवसर पर माननीय ऊर्जा मंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव और माननीय उद्योग मंत्री श्री नीतीश मिश्रा की उपस्थिति में बिहार रिन्यूएबल ऐनर्जी डैवलपमेंट एजेंसी और अवादा ऐनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी किशोर नायर के बीच करार पर दस्तखत किए गए। इस शुभारंभ पर अवादा समूह के चेयरमैन विनीत मित्तल ने बिहार सरकार और ऊर्जा विभाग को ऐसी नीति लाने के लिए बधाई दी, जो सर्वोत्तम नवीकरणीय ऊर्जा नीतियों में से एक है और राज्य में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में ज्यादा निवेश को आकर्षित करेगी। अवादा एनर्जी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी किशोर नायर ने कहा, अवादा में, हम क्षेत्रीय विकास और प्रगति में योगदान देते हुए भारत के ऊर्जा परिवर्तन को गति देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बिहार सरकार के साथ हमारी साझेदारी ग्राउंड-माउंटेड, फ्लोटिंग सोलर, सामुदायिक सौर संयंत्र, बैटरी भंडारण परियोजना आदि के माध्यम से राज्य की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का दोहन करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन के अलावा, यह निवेश रोजगार के अवसर पैदा करेगा, सम्बद्ध उद्योगों को आकर्षित करेगा और स्थायी सामाजिक-आर्थिक प्रगति को बढ़ावा देगा। हमें बिहार के हरित और समृद्ध भविष्य के दृष्टिकोण का समर्थन करने पर गर्व है। इन परियोजनाओं से 500 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की उम्मीद है और बिहार की सरकारी एजेंसियों के साथ पीपीए और बिहार सरकार द्वारा भूमि/जल निकायों की सुविधा प्रदान किए जाने के बाद, दो वर्षों के भीतर उत्पादन शुरू होने की संभावना है। इसके अलावा, अवादा राज्य सरकार के लागू प्रोत्साहन नियमों और नीति के अनुसार प्रोत्साहन पाने की भी हकदार होगी।

विधानसभा में ऑनलाइन रमी खेलने वाले मंत्री माणिकराव कोकाटे पर अजित पवार लेंगे एक्शन, बदला जाएगा विभाग

पुणे। राज्य विधान परिषद में ऑनलाइन कार्ड गेम खेलते हुए पकड़े जाने के बाद विवादों में घिरे महाराष्ट्र के कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे को खेल एवं युवा कल्याण मंत्रालय में पुनः नियुक्त किए जाने की संभावना है। मामले से परिचित लोगों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख अजित पवार ने गुरुवार सुबह पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की बैठक में यह निर्णय लिया। कोकाटे की जगह कृषि मंत्रालय में दत्तात्रेय भारणे को नियुक्त किए जाने की संभावना है, जो वर्तमान में ल एवं युवा कल्याण मंत्रालय का कार्यभार संभाल रहे हैं।

पुणे की इंदुपुर सीट से तीन बार विधायक रहे भारणे को पवार का करीबी माना जाता है और वह 2019 से मंत्रिपरिषद का हिस्सा हैं। 2024 के विधानसभा चुनावों में उन्होंने राकांपा (सपा) के कद्दावर नेता हर्षवर्धन पाटिल को 19,000 से अधिक मतों से हराया था। विभागों की अदला-बदली की घोषणा अभी नहीं हुई है। लेकिन पवार ने अपने फैसले से मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को अवगत करा दिया है, जो अपने दो गठबंधन सहयोगियों, एनसीपी और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के मंत्रियों द्वारा विवाद भड़काने से नाराज हैं। एक वरिष्ठ राकांपा नेता ने बताया कि पवार ने कोकाटे को पहले कई मौकों पर चेतावनी देने के बाद उनके खिलाफ कार्रवाई करने का फैसला किया है। नेता ने कहा कि सजा धनंजय मुंडे जितनी कड़ी नहीं होगी क्योंकि कोकाटे को राज्य मंत्रिमंडल से नहीं हटाया जाएगा। उनका विभाग बदल दिया जाएगा। उन्हें खेल एवं युवा कल्याण विभाग दिया जाएगा और उनका कृषि विभाग दत्तात्रेय भरणे को सौंप दिया जाएगा। धनंजय मुंडे को इस वर्ष मार्च में इस्तीफा देना पड़ा था, जब उनके करीबी सहयोगी वाल्मिक कराड को बीड जिले में एक ग्राम प्रधान या सरपंच की हत्या के सिलसिले में गिरफ्तार कर लिया गया था।

श्रावण में श्रद्धालुओं को राहत देने की कोका-कोला इंडिया की पहल

मुंबई/पटना। श्रावण मास के दौरान उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार और झारखंड जैसे राज्यों में हजारों श्रद्धालु लंबी दूरी की पदयात्राएं करते हैं। इस दौरान उनकी सुविधा और राहत को ध्यान में रखते हुए कोका-कोला इंडिया ने अपने बॉटलिंग पार्टनर्स के सहयोग से प्रमुख मार्गों पर हाइड्रेशन और विश्राम की सुविधाएं उपलब्ध कराईं। यात्रियों के लिए ठंडे पेय पदार्थों की सहज उपलब्धता सुनिश्चित की गई, साथ ही शॉवर वाले चेंजिंग रूम, मिस्ट एरिया, बड़ी मिस्ट बेल्ट और आरामदायक बैठने की व्यवस्था की गई। इन प्रयासों से न सिर्फ गर्मी और थकान से राहत मिली, बल्कि यात्रा को सहज और सुकूनभरा भी बनाया गया। कोका-कोला इंडिया ने इस पहल के जरिए श्रद्धालुओं की जरूरतों को समझने के साथ सामाजिक जिम्मेदारी निभाने का भी परिचय दिया। कंपनी ने हाइड्रेशन जोन के अलावा स्थानीय कारोबार को भी समर्थन दिया। हाई-ट्रैफिक इलाकों में डिस्ट्रीब्यूटर्स और रिटेल आउटलेट्स को सशक्त करने के लिए ढाबों और छोटे दुकानदारों को 4, 6 और 10 डोर वाले कूलर मुहैया कराए गए, जिससे वे यात्रियों को ठंडा पेय परोस सकें। इससे दुकानों पर ग्राहकों की आमद बढ़ी और व्यापारियों की कमाई में इजाफा हुआ, जिससे रिटेल नेटवर्क के साथ कंपनी का रिश्ता और गहरा हुआ। कोका-कोला इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट इंडिया ऑपरेशंस, संदीप बाजोरिया ने कहा, कोका-कोला इंडिया में हमारा उद्देश्य है कि सही समय और सही जगह पर लोगों को हमारी पेय सामग्री उपलब्ध कराकर उन्हें उद्देश्यपूर्ण राहत प्रदान की जाए। हमारे लिए यह सिर्फ पहुंच बढ़ाने का नहीं, बल्कि लोगों की रोजमर्रा की ज़िंदगी को आसान बनाने और स्थानीय अर्थव्यवस्था को सहयोग देने का प्रयास है। यह पहल हमारे उपभोक्ताओं के जीवन में सार्थक उपस्थिति को दशार्ती है, जिसे हमारे बॉटलिंग नेटवर्क की ताकत और जमीनी टीमों की मेहनत ने संभव बनाया है।

मालेगांव केस: सीएम फडणवीस की हुंकार, आतंकवाद भगवा ना कभी था, ना है, ना कभी रहेगा

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को मालेगांव विस्फोट मामले में सात लोगों को बरी किए जाने की सराहना की और इस बात पर जोर दिया कि भगवा का आतंकवाद से न कभी कोई संबंध रहा है और न ही कभी रहेगा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा, ₹आतंकवाद भगवा न कभी था, न है, न कभी रहेगा।₹ मुंबई की विशेष एनआईए अदालत ने आज 2008 में मालेगांव में हुए बम धमाकों में शामिल सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष मामले को संदेह से परे साबित करने में विफल रहा।

इस बीच, उप-मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी एनआईए अदालत के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि सत्य कभी पराजित नहीं हो सकता। शिंदे ने मराठी में एक्स पर पोस्ट किया, ₹शुरू से ही, शिवसेना ने उन देशभक्तों का खुलकर समर्थन किया है जिन पर मालेगांव विस्फोट मामले में झूठे आरोप लगाए गए थे और उन्हें जेल में डाला गया था। ऐसा इसलिए है क्योंकि शिवसेना को कभी भी इस बात में कोई संदेह नहीं था कि उनका मुद्दा न्यायसंगत था। कर्नल पुरोहित, साध्वी प्रज्ञा और अन्य सात व्यक्तियों को इन आरोपों के कारण भारी मानसिक और शारीरिक पीड़ा सहनी पड़ी। हिंदू समुदाय इस अन्याय को कभी नहीं भूलेगा। 2010 में, तत्कालीन केंद्रीय गृह मंत्री ने 2008 के मालेगांव विस्फोटों सहित कुछ हिंदुत्व संगठनों द्वारा कथित तौर पर किए गए आतंकवाद को भगवा आतंक शब्द से वर्णित किया था। एनआईए अदालत ने महाराष्ट्र सरकार को पीड़ितों के परिवारों को 2 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये का मुआवजा देने का भी आदेश दिया है। कुल 7 लोगों को आरोपी बनाया गया था, जिनमें पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञा, मेजर (सेवानिवृत्त) रमेश उपाध्याय, सुधाकर चतुर्वेदी, अजय राहिरकर, सुधांकर धर द्विवेदी (शंकराचार्य) और समीर कुलकर्णी शामिल थे। अदालत ने फैसला सुनाने से पहले अभियोजन पक्ष के 323 और बचाव पक्ष के 8 गवाहों से पूछताछ की थी। आरोपियों को गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम, शस्त्र अधिनियम और अन्य सभी आरोपों से बरी कर दिया गया है।

कृपाशंकर सिंह उत्तर भारतीय समाज के गौरव : लल्लन तिवारी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। कृपाशंकर सिंह उत्तर भारतीय समाज के गौरव हैं। मैंने उन्हें संघर्षों में भी मुस्कुराते देखा है।

महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह और उनकी धर्मपत्नी मालती सिंह को जन्मदिन की शुभकामनाएं देने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान राहुल एजुकेशन के चेयरमैन लल्लन तिवारी ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि वह ऐसे नेता हैं, जिनका सम्मान समाज का हर वर्ग करता है। उनके दिल में सबके प्रति आदर और सम्मान की भावना है। इस अवसर पर मुंबई हाई कोर्ट के प्रख्यात अधिवक्ता एडवोकेट केएच गिरी, युवा अधिवक्ता राजकुमार मिश्रा वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे तथा समाजसेवी मनोज गिरी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

विश्व पीलिया दिवस पर पीलिया जांच सप्ताह के अवसर पर इंदिरा गांधी उपजिला अस्पताल में रक्त परीक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। नागरिकों में हेपेटाइटिस बी और सी के निदान और पीलिया को नियंत्रित करने के लिए स्वर्गीय इंदिरा गांधी स्मृति उपजिला अस्पताल भिवंडी में 22 से 28 जुलाई तक पीलिया जांच सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हेपेटाइटिस बी और सी एक संक्रमित व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है। संक्रमित व्यक्ति का रक्त सुइयों, संक्रमित व्यक्ति के साथ शारीरिक संपर्क और संक्रमित माँ से उसके बच्चे में फैलता है। इसलिए नागरिकों को इस संबंध में सावधान रहने की आवश्यकता है, अस्पताल की चिकित्सा अधीक्षक डॉ. माधवी पंदारे ने उक्त अवसर पर कहा। नागरिकों को हेपेटाइटिस बी और सी प्रकार के पीलिया से बचने के लिए असुरक्षित शारीरिक संपर्क और अनुचित टैटू बनाने के तरीकों से बचना चाहिए।

साथ ही डॉ. माधवी पंदारे ने प्रत्येक गर्भवती माँ से अपने बच्चे को संक्रमित होने से बचाने के लिए हेपेटाइटिस बी और सी की जाँच करवाने की अपील की। उन्होंने बताया कि अस्पताल में नागरिकों के लिए हेपेटाइटिस बी और सी रक्त परीक्षण कार्यक्रम लागू किया गया था, जिसमें गर्भवती माताओं और एआरटी रोगियों के साथ-साथ अन्य सभी 780 नागरिकों के रक्त की पीलिया की जांच की गई थी। इस परीक्षण के दौरान 7 रोगियों को हेपेटाइटिस बी और 3 रोगियों को हेपेटाइटिस सी प्रकार का पीलिया पाया गया। इन रोगियों के रक्त के नमूने आगे के रक्त परीक्षण के लिए महालैब भेजे गए हैं। इस समय रोगियों को हेपेटाइटिस बी और सी पीलिया होने से रोकने के लिए प्रयोगशाला के वैज्ञानिक अधिकारी देवीदास शेटगे, राजेंद्र शिंदे, अनिल वाघ, श्रीमती समीक्षा गायकवाड़ ने रोगियों को परामर्श देकर और रोगियों के रक्त का परीक्षण करके इस राष्ट्रीय कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विशेष प्रयास किए।

भिवंडी महानगरपालिका ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को बिदाई समारोह द्वारा दी गयी बिदाई

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। निर्धारित आयु सीमा के अनुसार मनपा सेवा से 07 कर्मचारियों के सेवानिवृत्त और स्वैच्छिक सेवानिवृत्त होने के कारण महानगरपालिका प्रशासक और आयुक्त श्री अनमोल सागर (भा.पु.से.) द्वारा दिए गए निदेर्शानुसार बिदाई समारोह कार्यक्रम के माध्यम से सेवानिवृत्त कर्मचारियों को विदाई दी गई। इस अवसर पर उपायुक्त (मुख्यालय) श्री विक्रम दराडे ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को शाल और पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। महानगरपालिका के नए प्रशासनिक भवन की तीसरी मंजिल पर स्वर्गीय विलासराव देशमुख हाल में आयोजित विदाई समारोह में

रमेश बंडू थोरात (सहायक आयुक्त शिक्षा) स्वैच्छिक सेवानिवृत्त, गोपाल एस सिंह (फार्मासिस्ट) सेवानिवृत्त, रतन दत्तात्रेय गोसावी, (ड्राइवर) सेवानिवृत्त, इम्रान सिकंदर खतीब (ड्राइवर) सेवानिवृत्त, मालू धाको मोरघे (रोड मुकादम) सेवानिवृत्त, कैलाश बालिकराम तेलवने (स. का.) सेवानिवृत्त, अख्तर अली मोह. शरीफ (स. का.) 07 सेवानिवृत्त एवं स्वैच्छिक सेवानिवृत्त मनपा कर्मचारियों को आज मनपा द्वारा विदाई दी गई। इस अवसर पर मनपा अधिकारी एवं कर्मचारी, सभी कर्मचारी संघों के प्रतिनिधि, सेवानिवृत्त कर्मचारियों के परिवारजन आदि उपस्थित थे। उक्त बिदाई समारोह कार्यक्रम की जानकारी मनपा के जनसंपर्क अधिकारी श्रीकांत परदेशी द्वारा दी गयी है ।

मनपा संनि. निरीक्षक चैतन्य रावल हुए सेवानिवृत्त

मुंबई (उत्तरशक्ति)। बृहन्मुंबई महानगरपालिका पालिका जी-दक्षिण स्वास्थ्य चिकित्सा विभाग के संनि.निरीक्षक चैतन्य जटाशंकर रावल 33 वर्ष की सेवा देने के पश्चात 31 जुलाई 2025 को सेवा निवृत्त हुए। सम्मान मूर्ति चैतन्य रावल को जी दक्षिण विभाग के स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी डॉ विरेन्द्र मोहिते सर ने पुष्पगुच्छ,अंगवस्त्र तथा सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया। मलेरिया निर्मूलन विभाग के सभी सहकर्मियों सहित अन्य विभागों के अधिकारियों, मित्रों ने भी सम्मान करते हुए स्वस्थ रहने की शुभकामनाएं दी।उक्त सेवा संपूर्ति समारोह में स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी डॉ विरेन्द्र मोहिते सर एवं सनि.निरिक्षक सुनील मोरे ने रावल के उत्कृष्ट कार्य की सराहना किया

वहीं कवि विनय शर्मा दीप ने रावल सर के इष्ट देव,माता-पिता का आशीर्वाद, जीवन साथी का सहयोग,उदारता, परोपकारी सरल स्वभाव का उल्लेख कविता के माध्यम से स्वरबद्ध करते हुए प्रस्तुत किया जिसका उपस्थित सभी अतिथियों ने कर्तल ध्वनि से प्रशंसा किया।अंत में चैतन्य रावल एवं उपस्थित रावल के पुत्र करण रावल तथा पुत्री पलक रावल ने उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

सिंटेल बाय अरविंद की अल्टाई टेक्नोलॉजीज के साथ साझेदारी

मुंबई। अरविंद लिमिटेड की टेक्नोलॉजी शाखा सिंटेल बाय अरविंद ने आज औद्योगिक-ग्रेड वाई-फाई समाधान की वैश्विक अग्रणी कंपनी अल्टाई टेक्नोलॉजीज के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। भारत में एक भरोसेमंद, एकीकृत संचार और नेटवर्किंग समाधान प्रदाता के रूप में पहचानी जाने वाली सिंटेल बाय अरविंद का उद्देश्य इस साझेदारी के माध्यम से विभिन्न उद्योगों में वायरलेस सेवाओं को सुलभ बनाना, कनेक्टिविटी को बेहतर करना, उत्पादकता बढ़ाना और दक्षता को उन्नत करना है।

इस साझेदारी के अंतर्गत, सिंटेल बाय अरविंद अपने वायरलेस और नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में अल्टाई टेक्नोलॉजीज के हाई-परफॉर्मेंस सुपर वाई-फाई समाधानों को शामिल करेगा। इससे उत्पादन इकाइयों, वेयरहाउसेज, सार्वजनिक स्थानों, होटल एवं हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में बेहतर कवरेज, उच्च क्षमता की कनेक्टिविटी और विश्वसनीयता उपलब्ध होगी। मुंबई, पुणे, दिल्ली और हैदराबाद इन चार शहरों से अगस्त से शुरू करते हुए, दोनों कंपनियां संयुक्त रूप से साझेदारी कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित करेंगी। इन आयोजनों के माध्यम से यह प्रदर्शित किया जाएगा कि यह सहयोग किस प्रकार व्यवसायों को आधुनिक कनेक्टिविटी अपनाने और डिजिटल भविष्य की ओर बढ़ने में मदद कर सकता है।

आर्या ओम्निटॉक और सिंटेल बाय अरविंद के मुख्य स्ट्रेटेजी अधिकारी वेंकटेश पलानीदास ने कहा, सिंटेल बाय अरविंद में हमारा मानना है कि भरोसेमंद कनेक्टिविटी, डिजिटल परिवर्तन का मूल आधार है। अल्टाई टेक्नोलॉजीज के साथ यह साझेदारी हमारे इंटीग्रेशन कौशल और उनके विश्व-प्रसिद्ध सुपर वाई-फाई टेक्नोलॉजी को एक साथ लाएगी। हम विभिन्न प्रमुख उद्योगों के लिए शक्तिशाली और स्केलेबल वायरलेस समाधान प्रदान करेंगे। हम भारतीय कंपनियों को बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण, सहूलियत में वृद्धि और दीर्घकालिक वृद्धि हेतु भविष्य-उन्मुख नेटवर्क स्थापित करने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। तीस वर्षों से अधिक का अनुभव रखने वाली अग्रणी उद्यम-तकनीकी कंपनी सिंटेल बाय अरविंद भारत में अल्टाई टेक्नोलॉजीज के अत्याधुनिक वायरलेस समाधानों के राष्ट्रीय विस्तार का नेतृत्व कर रही है। इस रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से अल्टाई की पेटेंट प्राप्त ऑल्वेजकनेक्टेडट्ठ स्मार्ट एंटीना टेक्नोलॉजी और स्मार्ट रोमिंगट्ठ तकनीक भारत में लाई जाएगी। यह तकनीक उच्च घनता वाले या मिशन-क्रिटिकल वातावरण में भी १० मिलीसेकंड से कम विलंब, शून्य डेटा लॉस और निर्बाध हैंडओवर सुनिश्चित करती है।

अल्टाई टेक्नोलॉजीज के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट सेल्स एंड मार्केटिंग (ईएमईए, सीआयएस, भारत व अमेरिका) डैनी एनजी ने कहा, भारत एक गतिशील और उच्च मांग वाला बाजार है। यहां औद्योगिक ग्रेड वायरलेस समाधानों के माध्यम से कनेक्टिविटी और कार्यप्रणाली में बदलाव लाना हमारा दीर्घकालिक लक्ष्य रहा है। सिंटेल बाय अरविंद के साथ साझेदारी के जरिए हमें अपना सुपर वाई-फाई टेक्नोलॉजी भारत के नए क्षेत्रों में ले जाने का अवसर मिलेगा। हमारा वैश्विक अनुभव और उनका स्थानीय एकीकरण कौशल मिलकर ग्राहकों के लिए अपूर्व मूल्य निर्माण करेगा।

टियर-1 शहरों में प्रीमियम घरों की मांग में बूम: क्रेडाई रिपोर्ट

मुंबई। क्रेडाई और सीआरई मैट्रिक्स ने संयुक्त रूप से क्रेडाई इंडिया हाउसिंग रिपोर्ट जुलाई 2025 जारी की है, जिसमें देश के आवासीय रियल एस्टेट बाजार में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 की पहली छमाही में टियर-1 शहरों में घरों की बिक्री 3.6 लाख करोड़ रूपए तक पहुंच गई, जो पिछले साल इसी अवधि में दर्ज 3.3 लाख करोड़ रूपए के आंकड़े की तुलना में 9% अधिक है।

हालांकि, बिक्री की इकाइयों की संख्या में 4% की गिरावट (2.7 लाख से घटकर 2.54 लाख) दर्ज की गई, लेकिन औसत घर की कीमत में 14% की बढ़ोतरी हुई, जो 1.24 करोड़ रूपए से बढ़कर 1.42 करोड़ रूपए हो गई। यह संकेत देता है कि अब खरीदार प्रीमियम और लग्जरी सेगमेंट की ओर अधिक झुकाव दिखा रहे हैं।

रिपोर्ट में विभिन्न क्षेत्रों के प्रदर्शन को रेखांकित किया गया है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) ने 26% की राजस्व हिस्सेदारी के साथ बाजार में सबसे आगे रहते हुए शानदार प्रदर्शन किया, जहां बिक्री मूल्य में 21% और औसत टिकट आकार में 32% की वृद्धि दर्ज की गई। 3 करोड़ रूपए से अधिक कीमत वाले लग्जरी फ्लैट्स ने एनसीआर की कुल बिक्री मूल्य में 73% योगदान दिया, हालांकि बिक्री इकाइयों की संख्या 25,000 रही।

मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (एमएमआर) ने 23% की राजस्व हिस्सेदारी के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। इस क्षेत्र में 9% की बिक्री वृद्धि, 75,000 इकाइयों की बिक्री और औसत कीमत में 16% की बढ़ोतरी दर्ज की गई। एमएमआर में 3.5 करोड़ रूपए से अधिक कीमत वाले घरों की हिस्सेदारी भी 29% से बढ़कर 34% हो गई, जो अल्ट्रा-प्रीमियम हाउसिंग की ओर बढ़ती मांग को दशार्ता है। पुणे को इस दौरान कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जहां बिक्री मूल्य में 8.5% और बिक्री इकाइयों में 14% की गिरावट (कुल 45,000 इकाइयां) दर्ज की गई। नई लॉन्चिंग भी 61,000 से घटकर 39,000 इकाइयों तक पहुंच गई। 50 लाख रूपए से 1 करोड़ रूपए की कीमत वाले मध्यम श्रेणी के घरों की हिस्सेदारी में 5% की कमी आई, हालांकि टिकट आकार में 7% की वृद्धि हुई। चेन्नई ने दक्षिण भारत में सबसे अच्छा प्रदर्शन किया, जहां बिक्री मूल्य में 23% की बढ़ोतरी, 11,000 इकाइयों की बिक्री, और औसत कीमत में 12% की वृद्धि दर्ज की गई। यहां नई लॉन्चिंग की संख्या 14,000 से बढ़कर 19,000 हो गई, हालांकि 70 लाख रूपए से कम कीमत वाले घरों की हिस्सेदारी 23% से घटकर 17% पर आ गई।

बेंगलुरु ने भी स्थिर वृद्धि दर्ज की, जहां बिक्री मूल्य में 4% की बढ़ोतरी, 30,000 इकाइयों की बिक्री, और टिकट आकार में 17% की वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि 70 लाख रूपए से 1.5 करोड़ रूपए के बीच के घरों की हिस्सेदारी 38% से घटकर 32% हो गई।

हैदराबाद में बिक्री मूल्य में सिर्फ 2% की वृद्धि देखी गई, जबकि बिक्री की इकाइयों की संख्या 11% घटकर 30,000 रह गई। बावजूद इसके, नई लॉन्चिंग की संख्या 23,000 से बढ़कर 42,000 इकाइयों तक पहुंच गई, जिससे स्पष्ट है कि विकासकताओं का बाजार को लेकर विश्वास बरकरार है, भले ही मौजूदा मांग थोड़ी धीमी हो। अहमदाबाद में एनसीआर के बराबर 25,000 आवास इकाइयां बिकीं, जहां बिक्री मूल्य में 10% और औसत टिकट आकार में 7% की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

खण्ड शिक्षा अधिकारी ने अमान्य विद्यालयों पर पहुंचकर जड़ा ताला

सुजानगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खंड शिक्षा अधिकारी सुजानगंज डॉ.किरन पाण्डेय ने बुधवार को अमान्य विद्यालयों को बंद कराने हेतु अभियान जारी हुआ। अभियान के क्रम में सर्व प्रथम मदरसा हबीबिया नूरिया विद्यालय मुस्तफाबाद पहुंचकर विद्यालय का निरीक्षण किया। मदरसे में कक्षा 1 से 5 तक की मान्यता थी लेकिन अभिलेखीय त्रुटियों को सही करने एवं प्रबंधक को सख्त हिदायत दी गई की बिना मान्यता ऊपर की कक्षाओं का संचालन ना करें। राजाराम हीरावती देवी विद्यालय का निरीक्षण किया गया विद्यालय के प्रबंधक को सख्त हिदायत दी कि अभिलेखीय त्रुटियों को पूर्ण करें एवं बिना मान्यता के ऊपर की कक्षाओं का संचालन ना करें। पूर्ण रूप से अमान्य विद्यालय न्यू होली डिवाइन स्कूल मुस्तफाबाद के विद्यालय का निरीक्षण किया गया। मौके पर प्रबंधक एवं प्रधानाध्यापक मौजूद नहीं थे। विद्यालय के स्टॉफ के सामने बच्चों की छुट्टी करा कर अभिभावकों को अवगत कराया गया कि अपने बच्चों का नामांकन किसी परिषदीय विद्यालय या मान्यता प्राप्त विद्यालय में नामांकन कराए विद्यालय में ताला लगाकर नोटिस चस्पा की गई एवं सख्त हिदायत दी गई कि बगैर मान्यता के संचालन ना किया जाए। यदि पुनः संचालन किया जाता है तो प्राथमिकी दर्ज कराते हुए जुमार्ना वसूला जाएगा। गंगा प्रसाद जूनियर खरारी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मान्यता 6 से 8 तक होने के बावजूद छङ्ऋ से कक्षा 5 तक अवैध तरीके से विद्यालय का संचालन पाया गया। गंगा प्रसाद प्राथमिक विद्यालय में नोटिस चस्पा करके बंद कराया गया। एवं टीम में कार्यालय सहायक शेखर मिश्र व दिनेश चौबे टीम मे मौजूद रहें।

रोपवे संचालन के लिए पहले सेक्शन का परीक्षण

◆ ऑस्ट्रिया के इंजीनियरों की टीम द्वारा किया जा रहा रोपवे का परीक्षण

◆ 90 गंडोला के साथ 14 जुलाई से शुरू हुआ परीक्षण लगभग एक महीने चलेगा

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद अब काशी विश्व के तीसरे शहर में शुमार होने जा रहा है जहां मोदी-योगी की सरकार अर्बन पब्लिक ट्रांसपोर्ट के लिए देश के पहले रोप वे का निर्माण करा रही है। सरकार रोपवे के संचालन में सुरक्षा और सुगमता का विशेष ध्यान दे रही है। रोपवे प्रोजेक्ट की सुरक्षा और तकनीकी मजबूती सुनिश्चित करने के लिए ऑस्ट्रिया के विशेषज्ञ इंजीनियरों की टीम द्वारा पहले सेक्शन के निर्माण के लिए 90 गंडोला का परीक्षण किया जा रहा है। ये परीक्षण रोप वे के प्रथम चरण के पहले सेक्शन का कैंट रोपवे स्टेशन से रथयात्रा रोपवे स्टेशन तक किया जा रहा है। 14 जुलाई से शुरू हुआ परीक्षण लगभग एक महीने तक चलेगा। पहले सेक्शन का कार्य सितंबर तक पूरा होना प्रस्तावित है। रोपवे परीक्षण का उद्देश्य रोपवे के सुचारू और सुरक्षित संचालन सुनिश्चित करना है। इसके लिए विदेशी विशेषज्ञों की टीम वाराणसी में डेरा डाले हुए है। नेशनल हाईवे लॉजिस्टिक प्राइवेट लिमिटेड के अधिकारियों के मुताबिक रोपवे का कमीशनिंग या परीक्षण का काम चल रहा है। एक बार में तीन-तीन गंडोला को चलाया जा रहा है, रोपवे के कमीशनिंग में गंडोला, मोटर, केबल, कंट्रोल सिस्टम, सेफ्टी, स्पीड, ब्रेकिंग आदि की जांच कर यह सुनिश्चित किया

परीक्षण में गंडोला, मोटर, केबल, कंट्रोल सिस्टम, सेफ्टी, स्पीड, ब्रेकिंग आदि की जांच कर सुरक्षा की जा रही सुनिश्चित

जा रहा है कि वह पूरी तरह सुरक्षित और ठीक से काम कर रहा है। जिससे किसी भी खामियों को पहले ही दुरुस्त किया जा सके। 14 जुलाई से शुरू हुआ परीक्षण का काम लगभग एक महीने में पूरा होगा। 90 गंडोला से चलाकर परीक्षण किया जाएगा। कमीशनिंग का पूरा काम ऑस्ट्रिया की लाइटनर कंपनी के इंजीनियरों की टीम द्वारा किया जा रहा है। प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों के अनुसार, यह परीक्षण रोपवे संचालन के लिए एक महत्वपूर्ण चरण है। सुरक्षा के सभी मानकों के जांच के बाद ही रोपवे का संचालन सुनिश्चित होगा। काशी आने वाले पर्यटकों को प्रदूषण रहित परिवहन की अच्छी सुविधा मिल सके इसके लिए रोपवे का निर्माण कार्य तेजी से हो रहा है।

पहले सेक्शन में रोपवे का पहला स्टेशन, कैंट रोपवे स्टेशन, दूसरा विद्यापीठ स्टेशन और तीसरा स्टेशन रथयात्रा होगा। दूसरे सेक्शन रथयात्रा से गोदौलिया तक कार्य भी तेजी से चल रहा है। इसके पूर्ण होने बाद कैंट से गोदौलिया तक हर डेढ़ से दो मिनट के अंतराल में यात्रियों को गोंडोला उपलब्ध रहेगा। एक दिशा में एक घंटे में 3000 लोग यात्रा कर सकेंगे। यानि 6,000 लोग दोनों दिशा से एक घंटे में आ जा सकेंगे। गोदौलिया से कैंट रेलवे स्टेशन पहुँचने में लगभग 16 मिनट लगेगा।लगभग 148 ट्रॉली कार चलेगी। एक ट्रॉली में 10 पैसेंजर सवार हो सकते है। रोप वे का संचालन 16 घंटे होगा।

डीएम के आदेश का शाहगंज में स्कूल संचालकों पर नहीं है कोई असर

खुलेआम धड़ल्ले से डग्गामार वाहनों से ढोये जा रहे हैं नौनिहाल

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सरकार जहां शिक्षा पर विशेष ध्यान दे रही हैं और नौनिहालों के सुरक्षा पर बराबर आदेश और निर्देश जारी होते रहते हैं जौनपुर के डीएम डॉक्टर दिनेश चन्द भी स्कूली बच्चों के सुरक्षा को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए थे मगर शाहगंज और अगर बगल के क्षेत्रों में स्कूल संचालकों पर तनिक भी असर होता दिखाई नही देता।

डग्गामार वाहनों से ढोये जाते हैं स्कूली बच्चे: क्षेत्र के लगभग 90 प्रतिशत स्कूलों में डग्गामार वाहनों का इस्तेमाल किया जाता है। इन वाहनों में ऑटो रिक्शा, इलेक्ट्रानिक रिक्शा, पिकप, छोटा हाथी एवं मारुति वैन जैसे वाहन उपयोग में लिए जाते हैं।और तो और इनमें नौनिहालों को भूसे की तरह ठूस ठूस कर भरा जाता है।

मानकों का नहीं होता है पालन: ऐसे डग्गामार वाहनों का फिटनेस से लेकर कोई मानक पूरा नही होता है।ऐसे वाहनों पर अधिकांश न तो स्कूल का नाम लिखा रहता है, न ही एमरजेंसी नम्बरऔर न ही स्कूल संचालक का नाम और मोबाइल नम्बर।

आपात सेवा का नहीं रहता कोई इंतजाम: आपात स्थिति से निपटने के इन डग्गामार वाहनों में न तो फस्ट एड बॉक्स रहता है। और न ही कोई जिम्मेदार व्यक्ति। अप्रशिक्षित चालक इन वाहनों को बच्चो की जान जोखिम में डाल कर स्कूल संचालक अभिभावकों से किराये के नाम मोटी रकम वसूल की जाती है।

पूछने पर पल्ला झाड़ लेते है स्कूल संचालक, अभिभावकों के सर फोड़ देते है ठीकड़ा: कभी जब इन स्कूल संचालकों से ऐसे वाहनों से बच्चों के आवागमन की बात पूछी जाती है तो। संचालक कहते हैं बच्चों के अभिभावक ही अपने तरफ से मिलकर ऐसे वाहनों को हायर करते हैं। सवाल उठता है अभिभावक ऐसे डग्गामार वाहनों को हायर करें या फिर स्कूल संचालक दोनों ही सूरतों में डग्गामार वाहनों से बच्चों को स्कूल ले जा ले आना अवैध है और सम्बन्धित विभाग इस पर बाकायदा स्पष्ट निर्देश दे चुका है।

डग्गामार वाहनों के खिलाफ चलाया जाएगा अभियान, होगी कार्यवाई: एआरटीओ

एआरटीओ सत्येंद्र कुमार सिंह

इस सम्बंध में जब जौनपुर जनपद के एआरटीओ सत्येंद्र कुमार सिंह से बात की गई तो पहले तो उन्होंने शाहगंज में वाहनों की जांच से पल्ला झाड़ा। मगर फिर कहा की खेतासराय तक टीम जाती है और ऐसे डग्गामार वाहनों के खिलाफ कार्यवाई होती है।शाहगंज में कार्यवाई या जांच के सवाल पर उन्होंने जगह का हवाला देते हुए असमर्थता जताई और कहा की थाने में जगह नही है। वाहनों को खड़ा करने के लिए पर्याप्त स्थान नही मिल पाता। आगे उन्होंने कहा की कई बार शाहगंज के कई स्कूली वाहनों जो मानक के विपरीत थे। उनपर कार्यवाई कर चालान किया गया है।

शिक्षा विभाग और परिवहन विभाग सब कुछ जानते हुए भी रहते है मौन: इतना सब कुछ होने के बाद परिवहन विभाग और शिक्षा विभाग दोनों ही मौन रहते हैं।ऐसा लगता है सब मिलीभगत से चल रहा है। और मौन स्वीकृति मिली हुई है।शाहगंज नगर और आसपास के क्षेत्रों में शायद यदा कदा ही सम्बन्धित अधिकारी आते भी होंगे तो बर्फी नमकीन और कोल्ड्रिंक का आनंद लेकर

खण्ड शिक्षा अधिकारी ने खुद माना की अभी तक ऐसी कोई कार्यवाई नही हुई है

खंड शिक्षा अधिकारी बसंत कुमार शुक्ला

इस सम्बंध में जब खण्ड शिक्षा अधिकारी बसन्त कुमार शुक्ला से पूछा गया तो उन्होंने का हमारे संज्ञान में ऐसा कोई मामला नही आया है। अगर आता है तो कार्यवाई की जाएगी। वहीं एक सवाल पर उन्होंने खुद कहा की ऐसे डग्गामार वाहनों पर आज तक कोई कार्यवाई नही हुई है। उनका कबूलनामा ही सबकुछ समझने के लिए पर्याप्त माना जाना चाहिए की चल क्या रहा है।

सिर्फ कोरम पूर्ति करके वापस चले जाते हैं।जिससे इन का मनोबल और बढ़ता ही जा रहा है।

अब यहां भी वहीं सवाल उठता है की बड़े कान्वेंट स्कूलों के वाहनों के अलावा नगर में स्थित स्कूल संचालकों के स्कूली वाहन उतनी दूरी से बच्चे हैं नही तो इन पर कैसे कार्यवाई हो।क्योंकि परिवहन विभाग के अनुसार शाहगंज में जगह ही नही है। अब देखना यह होगा की विभाग कोई ठोस कदम उठाता है या फिर किसी बड़ी दुर्घटना के इंतजार में इंतजार करता है। तब शायद इनकी तन्द्रा भंग होगी। फिलहाल नौनिहालों की सुरक्षा राम भरोसे ही है।

जौनपुर में एक गांव की दो विवाहिता एक सप्ताह से घर से हैं लापता

गौराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के एक ही गांव की दो विवाहिता एक ही दिन घर से निकली और लापता है। एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी वह वापस नहीं लौटी। महिलाओं के पतियों ने गांव के ही युवकों पर तहरीर देकर आरोप लगाया है। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में बीते 21 जुलाई को एक 26 वर्षीय और एक 22 वर्षीय विवाहिता घर वालो को किसी काम से जाने की बात कह के निकली और एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी दोनो वापस नहीं लौटी। जिससे उनके ससुराल पक्ष के लोगों में किसी अनहोनी की आशंका बनी हुई है। वही दोनों विवाहिता के पतियों ने गौराबादशाहपुर थाने में गांव के ही दो युवकों पर इन दोनों महिलाओं को भगा ले जाने का आरोप लगाते हुए तहरीर दिया है।थानाध्यक्ष फूलचंद पांडेय ने बताया कि प्रार्थना पत्र जब से मिला है। पुलिस उक्त महिलाओं का पता लगाने के लिए लगी है। जिन लड़को के ऊपर आरोप लगाया गया है उनका भी कॉल डिटेल चेक किया जा रहा है।

गहना सफाई के बहाने चेन लेकर बाइक सवार फरार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर के लाइन बाजार थाना अन्तर्गत पचहटियां मोहल्ला में बाइक सवार दो युवक गहना साफ करने के बहाने महिला का सोने का चेन लेकर फरार हो गये।प्राप्त जानकारी के अनुसार मनोज राय पचहटियां में सपरिवार रहते हैं जिन्होंने बताया कि दो युवक होंडा साइन बाइक से मंगलवार देर शाम मेरे घर पर आये। गेट खोलकर अंदर घुस गये तथा मेरे पुत्र से कहा कि गहनों की सफाई हम लोग करते हैं। मेरे पुत्र ने अपने हाथ का ब्रेसलेट निकालकर दे दिया तो दोनों युवाओं ने सफाई करके उसे लौटा दिया। इसके बाद और गहनों की सफाई की मांग किया। मेरी पत्नी नीतू ने तब 10 ग्राम सोने की चेन लाकर सफाई करने के लिये दे दिया तो दोनों युवकों में कटोरा में पानी और हल्दी मंगाया। हल्दी को पानी में घोल दिया और सोने की चेन आंख में धूल झुकते हुये अपने पास छिपा लिया। थोड़ी देर बाद साफ सफाई करने का नाटक किया। फिर कटोरे वाला पानी लौटाते हुये कहा कि अंदर जाकर गिराकर अन्दर चैन ले लो। घर में अन्दर जाते ही दोनों युवक बाइक से तुरंत फरार हो गये। शीतला चौकिया चौकी प्रभारी ईश चन्द्र यादव ने कहा कि गहनों की साफ सफाई के बहाने धोखाधड़ी करते हुये घटना को अंजाम दिया गया है। फिलहाल मामले की छानबीन की जा रही है।

दो सगे भाइयों जनपद का नाम किया रौशन

यूजीसी नेट/जेआरएफ में मिली सफलता, दोनों का सिविल सेवा में जाने का है सपना

डॉ.इम्तियाज अहमद उर्फ बाबू भाई

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के युनुसपुर गांव के दो सगे भाइयों मोहम्मद जैद और मोहम्मद सैफ ने यूजीसी-नेट और जेआरएफ परीक्षा पास कर गांव का नाम रोशन किया है। दोनों की सफलता की खबर जैसे ही फैली, गांव में बधाइयों का तांता लग गया। लोगों ने घर जाकर मिठाई खिलाई और दोनों युवकों को गले लगाकर आशीर्वाद दिया।

MOHD ZAID

मोहम्मद जैद और मोहम्मद सैफ एक साधारण किसान परिवार से हैं। उनके पिता सानुल्लाह किसानी और छोटा-मोटा कारोबार कर परिवार का पालन करते हैं। जैद और सैफ ने अपनी पढ़ाई की शुरूआत गांव के एक मदरसे से की थी। इसके बाद जैद ने खेतासराय के नेशनल चिल्ड्रेन स्कूल और सर्वोदय इण्टर कॉलेज से इण्टरमीडिएट किया। उन्होंने टीडी कॉलेज, जौनपुर से राजनीति शास्त्र में स्नातक और परास्नातक किया। सिविल सेवा की तैयारी के दौरान ही उन्होंने यूजीसी-नेट की परीक्षा दी और 300 में से 210 अंक लाकर सफलता प्राप्त की। वहीं छोटे भाई मोहम्मद सैफ ने नेशनल चिल्ड्रेन स्कूल और सेंट थॉमस स्कूल से स्कूली पढ़ाई करने के बाद इलाहाबाद विश्वविद्यालय से बीए किया। वर्तमान में वह दिल्ली से एमए कर रहे हैं। इसी दौरान उन्होंने जेआरएफ परीक्षा दी और 300 में से 248 अंक प्राप्त कर जूनियर रिसर्च फेलोशिप के लिए चयन हुआ है। जैद और सैफ का सपना है कि वे आगे चलकर सिविल सेवा में जाएं और देश की सेवा करें। दोनों इस समय ऑनलाइन कोचिंग और लाइब्रेरी के माध्यम से यूपीएससी की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनका संघर्ष इस बात का प्रमाण है कि सीमित संसाधनों में भी यदि लगन और मेहनत हो, तो कोई भी मुकाम पाया जा सकता है।

सेवानिवृत्त होने वाले 8 पुलिस कर्मियों को दी गई विदाई

अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह प्रदान कर उज्ज्वल भविष्य की किया कामना

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में

अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण जौनपुर द्वारा अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने वाले 08 पुलिस कर्मियों को अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह प्रदान कर उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए भावभीनी विदाई दी गई। आज दिनांक 31.07.2025 को जनपद जौनपुर से अपनी सम्पूर्ण सेवाकाल के दौरान पूर्ण निष्ठा, एवं लगन से कार्य करते हुए अधिवर्षता आयु पूर्ण कर कुल 08 पुलिसकर्मी (03 उपनिरीक्षक, 03 मुख्य आरक्षी, 02 फालवर) सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर पुलिस लाइन सम्मेलन कक्ष में पुलिस सेवा से सेवानिवृत्त हुए पुलिसकर्मियों हेतु विदाई समारोह आयोजित किया गया। आतिश कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण जौनपुर द्वारा विदाई समारोह में सम्मिलित होकर अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर उनके आगामी सुखमय व समृद्ध जीवन की कामना कर शुभकामनाओं सहित विदाई दी गई। इस अवसर पर पुलिस कर्मी मौजूद रहें।

सेवानिवृत्त होने वाले पुलिस कर्मियों की सूची: 1. उ0नि0 ना0पु0 नथुनी राम, 2. उ0नि0 ना0पु0 कल्लू राम, 3. उ0नि0 ना0पु0 हरेन्द्र राम, 4. मु0आ0 स0पु0 विजय शंकर सिंह, 5. मु0आ0 स0पु0 बृज कुमार राम, 6. मु0आ0 चालक नामवर सिंह, 7. फालवर सजन लाल यादव, 8. फालवर रघुनाथ प्रसाद।

सपा सुप्रीमो के निर्देश पर जोगियापुर में लगी पीडीए पाठशाला

सपा नेत्री उषा जायसवाल ने बच्चों को वितरित किया पठन-पाठन सामग्री

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर स्कूल मर्जर नीति के खिलाफ पीडीए पाठशाला का आयोजन उषा जायसवाल प्रदेश सचिव समाजवादी महिला सभा द्वारा नगर के जोगियापुर में स्थित शिव गोपाल घाट पर किया गया। पीडीए पाठशाला का शुभारम्भ समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष राकेश मौर्या ने किया जहां बच्चों को पठन-पाठन की सामग्री वितरित की गयी। उक्त कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुये राकेश मौर्य ने कहा कि आज सरकार पठन-पाठन की माहौल को बिगाड़ना चाहती है और सरकार स्कूल की जगह मंत्रालय को प्राथमिकता दे रही है।

कम्पोजिट स्कूलों को बन्द करके कम्पोजिट शराब की दुकान खोली जा रही है। सरकार हर उस तरह के प्रयास कर रही है जिससे आम आदमी शिक्षा से वंचित रहे, ताकि आम आदमी महंगाई एवं बेरोजगारी गिरती अर्थव्यवस्था सरकार में व्याप्त भ्रष्टाचार संविधान के साथ छेड़छाड़ जैसे मुद्दों पर सवाल न पूछ सके। इसी की एक कड़ी उत्तर प्रदेश सरकार की स्कूल मर्जर नीति है जिसे हम सभी समाजवादी साथी पाठशाला खोलकर कर रहे हैं। इस अवसर पर सुशील यादव, पूनम यादव, नम्रता सिंह, रेखा सिंह, मंजय कनौजिया, गुलाब यादव सहित तमाम लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन शिवांगी यादव ने किया। कार्यक्रम की आयोजिका उषा जायसवाल ने समस्त आगंतुकों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

श्रीराम यादव बालिका महाविद्यालय
प्रवेश प्रारम्भ
सत्र- 2025- 2026
सम्बद्ध वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर (उ0प्र0)
बी.ए. हिन्दी, भूगोल
प्राचीन इतिहास, शिक्षा शास्त्र
गृह विज्ञान, समाज शास्त्र, उर्दू
प्रबंधक-
सुरेन्द्र प्रताप यादव 9956705411, 8009766617
प्रतापनगर बरंगी पोस्ट मानीकलां, शाहगंज, जौनपुर (उ0प्र0) 222139

केराकत पुलिस ने हत्या की घटना से सम्बन्धित 5 वांछित आरोपियों को किया गिरफ्तार

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना केराकत पुलिस टीम द्वारा हत्या की घटना से सम्बन्धित 05 वांछित आरोपी गिरफ्तार, कब्जे से आलाकत्ल चाकू बरामद।पूर्व की घटना का संक्षिप्त विवरण- दिनांक-30.07.2025 को ग्राम पसेंवा थाना केराकत जनपद जौनपुर को वादी मुकदमा द्वारा बताया गया कि मै अपने भाई शमसेर उर्फ साधू चौहान के साथ अपने खेत में पानी देखने गया था।कि मई रोड़ गोदाम पोस्ट (पसेंवा) के पास समय करीब 12.30 बजे दिन में पुराने विवाद को लेकर मेरे गांव के ही किशन सिंह पुत्र बबलू सिंह, कौशल सिंह पुत्र बबलू सिह, प्रिन्स सिंह पुत्र सेसई सिंह, व डब्लू सिंह पुत्र समर बहादुर सिंह तथा जीशू पाठक पुत्र बबलू पाठक अपने हाथ मे लाठी डण्डा कुल्हाड़ी व असलहा के साथ आये और कहने लगे कि साले तुम लोगों का मन बढ़ गया है, मुझे और मेरे भाई पर लाठी डण्डा कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला करना प्रारम्भ किये जिससे मुझे व मेरे भाई साधू उर्फ शमसेर चौहान को काफी चोटे आयी। जब गांव के लोग आये तो वह भाग गये, मैं अपने भाई साधू उर्फ समशेर सिंह को जिन्हे काफी चोटे आयी लाद फांन कर सरकारी अस्पताल केराकत ले आया, जहां पर डाक्टर ने मेरे भाई को मृत घोषित कर

दिया। इस प्रार्थना पत्र पर किशन सिंह पुत्र बबलू सिंह, कौशल सिंह पुत्र बबलू सिह, प्रिन्स सिंह पुत्र सेसई सिंह, डब्लू सिंह पुत्र समर बहादुर सिंह तथा जीशू पाठक पुत्र बबलू पाठक के विरुध्द थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 209/25 धारा-103(1), 190, 191(2), 191(3), 115(2), 352 बीएनएस पंजीकृत किया गया।

गिरफ्तारी का विवरण- आज दिनांक-31.07.2025 को प्रभारी निरीक्षक मय हमराह व निरीक्षक अपराध मय हमराह मुकदमा उपरोक्त घटना में नामित/प्रकाश में आये आरोपीगण को मुखबीर की सूचना पर बेलाव पुल व मंदिर के मध्य जो गिरफ्तारी के डर से झाडियो के पास से छिपकर बैठे थे, को गिरफ्तार किया गया तथा घटना के सम्बन्ध में चेक पोस्ट बेलाव पर गहनता से पूछताछ की गयी तो गिरफ्तार शुदा आरोपीगण मुकदमा उपरोक्त की घटना से सम्मिलित होना स्वीकार किये तथा आरोपी कुँवर सिंह उर्फ डब्लू उपरोक्त द्वारा मुकदमा उफरोक्त की घटना मे प्रयुक्त आला कत्ल चाकू बरामद किया गया।

बिजली बिल बकाया था तो काट दिया यूनियन बैंक का कनेक्शन

जफराबाद,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के कल्याणपुर बाजार स्थित यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की नेहरू नगर शाखा का विद्युत कनेक्शन बुधवार को काट दिया गया। बैंक द्वारा तीन महीने से बिजली का बिल जमा न करने पर यह कार्रवाई की गई। कार्रवाई जगदीशपुर फीडर के अवर अभियंता (खए) के निर्देश पर की गई। शाखा प्रबंधक अशोक कुमार ने बताया कि बिना किसी पूर्व सूचना के दोपहर करीब 12 बजे विद्युत आपूर्ति बंद कर दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि लाइनमैन ने खए के कहने पर सीधे कनेक्शन काट दिया, जिससे बैंक का कार्य गंभीर रूप से प्रभावित हुआ और ग्राहकों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ा।वहीं इस संबंध में जगदीशपुर फीडर के जेई गुलाब प्रजापति ने बताया कि बैंक प्रबंधन को एक सप्ताह पूर्व बिल भुगतान के लिए सूचित किया गया था। इसके बावजूद भुगतान नहीं किया गया। कई बार याद दिलाने के बाद भी बिल जमा नहीं हुआ, जिसके चलते विभागीय निदेर्शानुसार कड़ी कार्रवाई करते हुए विद्युत आपूर्ति बाधित की गई। हालांकि, बिल भुगतान की प्रक्रिया शुरू होते ही दो घंटे के भीतर बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई थी।

बीएचयू के घायल प्रोफेसर से मिले पूर्व केंद्रीय मंत्री व बीजेपी नेता

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के बीएचयू में तेलुगू विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर चल्ला श्रीरामचंद्र मूर्ति पर हुए हमले को लेकर लोगों में आक्रोश है। घटना की सूचना मिलते ही बीएचयू के एक्जीक्यूटिव काउंसिल के सदस्य व पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ.महेंद्र नाथ पांडेय, महापौर अशोक कुमार

तिवारी, बीजेपी काशी क्षेत्र के अध्यक्ष दिलीप पटेल, वरिष्ठ नेता ओमप्रकाश भारतीय और बीएचयू के छात्रनेता उत्कर्ष श्रीवास्तव ट्रामा सेंटर पहुंचे। घायल प्रोफेसर के स्वास्थ्य का हाल जान जल्द स्वस्थ होने की कामना की। वहीं अफसरों से बात कर घटना की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाने की बात कही। बीजेपी नेताओं ने कहा कि विश्वविद्यालय जैसे बौद्धिक स्थल पर इस प्रकार की हिंसा न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि अस्वीकार्य भी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि समाज में भय का वातावरण पैदा करने वाले ऐसे तत्वों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। प्रशासन ने घटना की जांच शुरू कर दी है और अपराधियों की तलाश जारी है। विश्वविद्यालय प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी को मजबूत करने की मांग भी की है, ताकि दुबारा इस तरह की घटनाओं अंजाम ना दिया जा सके।

फरीदुल हक मेमोरियल पी.जी. कॉलेज
प्रवेश प्रारम्भ
सत्र : 2025-2026
बी.ए. - हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू, संस्कृत मध्य. इतिहास, राजनीति शास्त्र, गृह विज्ञान मनोविज्ञान, समाज शास्त्र, शिक्षा शास्त्र
बी.एस.सी.- वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान भौतिक विज्ञान, रासायन विज्ञान, गणित
एम.ए.- हिन्दी, उर्दू, समाज शास्त्र, शिक्षा शास्त्र
एम.एस.सी.- प्राणि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान
बी. कॉम-
उन छात्र/छात्राओं को मुफ्त प्रवेश प्रदान कर रहा है जिनके पास संगीत, गायन, नृत्य, पेंटिंग्स आदि के क्षेत्र में विशेष कौशल/योग्यता है।
खेल कोटा के अंतर्गत उन छात्र/छात्राओं को मुफ्त प्रवेश प्रदान कर रहा है जिनके पास विभिन्न खेलों में विषेश कौशल/योग्यता है।
समस्त बोर्ड के विद्यालय/कालेज के टॉपर छात्र/छात्राओं को मुफ्त प्रवेश प्रदान कर रहा है।
तालीमाबाद, सबरहद, शाहगंज-जौनपुर
9236926850
9936764005
9795585838
प्रबन्धक- नासिर जमाल शेख
प्राचार्य- डा. तबरेज़ आलम

शाहगंज नगर के लिए विधायक रमेश सिंह से मोबाइल ट्रांसफार्मर के लिए सौपा ज्ञापन

शिवकुमार प्रजापति

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति) विधानसभा शाहगंज के विधायक रमेश सिंह को डाक बंगले पर ज्ञापन देकर मोबाइल ट्रांसफार्मर400 के. वी. या 630 के. वी. की मांग की जिससे नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत ट्रांसफार्मर जलने पर तुरंत मोबाइल ट्रांसफार्मर लग जाए। जिससे जनता को और सहूलियत मिल सके। विधायक रमेश सिंह ने पूरा आश्वासन दिया कि हम ऊर्जा मंत्री एके शर्मा जी से जल्द मांग करके नया मोबाइल ट्रांसफार्मर नगर को सौगात भेंट करेंगे। उक्त अवसर पर वेद प्रकाश जायसवाल भाजपा नेता, खुशबू जायसवाल, नीतू मिश्रा ,युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष धीरज पाटिल आदि लोगों ने ज्ञापन दिया।

मध्य विद्यालय के बच्चियों को एचपीवी का लगाया गया टीका

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में मुख्यमंत्री बालिका कैंसर प्रतिरक्षण योजना के तहत वृहस्पतिवार को महाराजगंज प्रखंड के राजकीय मध्य विद्यालय कसदेवरा व गौर मध्य विद्यालय में एचपीवी टीकाकरण अभियान के तहत टीकाकरण किया गया। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी कुमार उपाध्याय ने बताया कि प्रखंड की सभी मध्य विद्यालय में यह कार्यक्रम चलाया जाएगा।बताया कि स्वास्थ्य विभाग ने सर्वाइकल कैंसर से बालिकाओं को बचाने के लिए यह टीका बेहद जरूरी है। राज्य सरकार की इस पहल के अंतर्गत 9 से 14 वर्ष की बालिकाओं को दो चरणों में टीका कारण किया जाएगा। बताया कि बृहस्पतिवार के दिन लगभग 200 से ऊपर बच्चियों को टीका लगाया गया। अभियान के तहत शेष सभी विद्यालयों में बच्चियों को टीका लगाया जाएगा,ताकि उन्हें दीर्घकालिक सुरक्षा मिल सके। स्वास्थ्य विभाग की ओर से सभी सरकारी व निजी विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों एवं मदरसों के संचालकों को पहले से छात्राओं की सूची तैयार रखने का निर्देश दिया गया है, जिससे टीकाकरण की प्रक्रिया व्यवस्थित रूप से पूरी की जा सके।

चंद्रशेखर आजाद मेमोरियल आवर्ड से सम्मानित किए गये साहित्यकार रामकेश यादव

सरायमीर,आजमगढ़। प्रसिद्धि वरिष्ठ लेखक गीतकार पत्रकार रॉयल्टी प्राप्त कवि रामकेश एम यादव को राजस्थान स्थित संगम अकादमी कोटा के संस्थापक और सी, ई, आई, ओम प्रकाश लवलंशी ने साहित्य के क्षेत्र मे उल्लेखनीय सराहनीय कार्य के लिए चंदशेखर आजाद मेमोरियल आवर्ड 2025 से सम्मानित किया गया। श्री रामकेश यादव जनपद आजमगढ़ तेजपुर ब्लाक मार्टिनगंज के निवाशी है। बहुमुखी प्रतिभा के धनी श्री रामकेश यादव गद्य पद्य दोनों विधाओं पर सम्मान अधिकार है।

महानगर पालिका मुंबई में शिक्षक पद से सेवानिवृति होकर श्री रामकेश यादव सम्मानित साहित्य तथा समाजिक सराकारों से जुड़कर समाज को नया आयाम दे रहे है। गौरतलब हैं कि दीनदयाल पुरस्कार सहित 423 पुरुस्कारों व सम्मान पत्र तथा 1700 लेखो पत्र लेखों के अलावा 26 पुस्तके लिख चुके श्री रामकेश यादव को उपलब्धियां पर लेखक पत्रकार सहित अन्य गणमान्य नागरिकों ने बधाई दिया।

मोटोरोला ने लॉन्च किया मोटो जी86 पावर

पटना(उत्तरशक्ति)। मोटोरोला, मोबाइल टेक्नोलॉजी में दुनिया का बड़ा नाम और भारत का प्रमुख एआई स्मार्टफोन ब्रांड, ने मोटो जी86 पावर लॉन्च किया। यह जी-सीरीज का एक शानदार फोन है, जिसमें 20,000 रुपये से कम कीमत में बेहतरीन फीचर्स दिये गये हैं। इसमें 6.67 इंच 1.5के पोलेड सुपर एचडी फ्लैट डिस्प्ले है, जो इस सेगमेंट में सबसे ज्यादा चमकदार (4500 निट्स ब्राइटनेस के साथ) है। इसमें 120एचजेड रिफ्रेश रेट और गोरिल्ला ग्लास 7 प्रोटेक्शन भी है, जो स्क्रीन को मजबूत और स्मूथ बनाता है। फोन में मोटो एआई के साथ सेगमेंट का अग्रणी 50 एमपी वोआईएस सोनी लिटिया 600 कैमरा आता है और सभी लेंस से 4के वीडियो रिकॉर्डिंग करता है। इसके साथ 8एमपी अल्ट्रावाइड प्लस मैक्रो विजन लेंस और 32एमपी सेल्फी कैमरा भी इसमें मौजूद है। 6720एमएच की बड़ी बैटरी के साथ यह 2 दिन से ज्यादा चलती है। मोटो जी86 पावर आईपी68 प्लस आईपी69 अंडरवाटर प्रोटेक?शन और एमआईएल-एसटीडी-810एच मिलिट्री-ग्रेड ड्यूरैबिलिटी के साथ अपनी श्रेणी में सबसे मजबूत फोन है। मीडियाटेक डाइमेंसिटी 7400 प्रोसेसर की वजह से यह फोन मल्टीटास्किंग और गेमिंग में बहुत तेज है। यह 8 जीबी रैम प्लस 128 जीबी स्टोरेज के वैरिएंट में आता है और इसकी कीमत सिर्फ 16,999 रुपये है।

काशी को संवारने और युवाओं को प्रेरित करने में जुटे पुलकित गर्ग

सुरेश गांधी

वाराणसी। वाराणसी विकास प्राधिकरण (वीडीए) के उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग ने गुरुवार को शहर के दो अहम स्थलों का दौरा करते हुए एक ओर जहां शहरी सौंदर्यकरण और जल संरक्षण की दिशा में कार्यों की समीक्षा की, वहीं दूसरी ओर राष्ट्रीय फैशन संस्थान (निफ्ट) के विद्यार्थियों को समाजोन्मुख डिजाइन की सीख दी। उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग ने लालपुर स्थित एएम टू पीएम पार्क का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने पार्क के नवीन डिजाइन की सराहना करते हुए कहा कि यह स्थान स्थानीय नागरिकों के लिए एक बेहतर सार्वजनिक अवकाश स्थल के रूप में विकसित हो रहा है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पार्क में लगे झूलों की फिनिशिंग में आई कमियों को शीघ्र दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही वर्षा जल संचयन (रेन वॉटर हार्वेस्टिंग) के लिए किए गए प्रावधानों को सराहा, और इसे शहर के अन्य पार्कों में भी लागू करने की आवश्यकता जताई। पार्क में तैनात माली को वर्दी में रहने और प्रतिदिन साफ-सफाई सुनिश्चित कराने के निर्देश भी दिए गए। एक दिन पूर्व बुधवार वार को उपाध्यक्ष गर्ग ने निफ्ट वाराणसी के ओरिएंटेशन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि डिजाइन केवल कपड़ों या स्केच की सीमा तक नहीं है, बल्कि यह सोचने, समझने और समाज को बेहतर बनाने की एक प्रक्रिया है। उन्होंने बताया कि कैसे डिजाइन थिंकिंग का इस्तेमाल शहरी योजनाओं, प्रशासनिक निर्णयों, और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने में किया जा सकता है। उन्होंने बनारस की कारीगरी, हथकरघा और वस्त्रशिल्प का उदाहरण देते हुए छात्रों को अपनी जड़ों से जुड़े रहने की सलाह दी। उपाध्यक्ष गर्ग ने विद्यार्थियों को पाँच मूल बातें याद रखने को कहा, हर दिन कुछ नया सीखने की ललक रखें। अपनी संस्कृति और परंपरा को जानें और उसमें गर्व करें। डिजाइन केवल सुंदरता नहीं, उपयोगिता का भी माध्यम हो। टीमवर्क को अपनाएं, क्योंकि डिजाइन अकेले नहीं बनता। असफलता से न डरें, क्योंकि श्रेष्ठ कृति कई प्रयासों के बाद ही बनती है। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने विद्यार्थियों से कहा, आप डिजाइनर ही नहीं, भविष्य के सृजनकर्ता हैं।

शव दफनाने को लेकर दो समुदायों में तनाव, पुलिस बल तैनात

आजमगढ़। जनपद के फूलपुर तहसील के नेवादा शेखवलिया गांव में गुरुवार को एक शव को कब्रिस्तान में दफनाने को लेकर दो समुदायों के बीच विवाद उत्पन्न हो गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन और पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर मामला शांत कराया। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में कोई अप्रिय घटना नहीं हुई।

विवाद का कारण ग्राम शेखवलिया की गाटा संख्या 308, 317 और 329 थी, जो राजस्व अभिलेखों में पहले कब्रिस्तान के रूप में दर्ज थी, लेकिन वर्तमान में जंगल झाड़ी के रूप में चिह्नित है। एसडीएम अशोक कुमार ने विवादित भूमि पर शव दफनाने की अनुमति नहीं दी और शव को ग्राम नेवादा के सरकारी कब्रिस्तान में दफनाने का निर्देश दिया। परिजनों ने निदेशों का पालन करते हुए शव को वहां सुपुर्द-ए-खाक करने की तैयारी में लग गए।

बताते चलें कि फूलपुर तहसील क्षेत्र के नेवादा शेखवलिया गांव में बुधवार रात निधन हुए अरशद की माता के शव को दफनाने को लेकर गुरुवार सुबह तनाव की स्थिति बन गई। परिजन शव को गांव के निकट कब्रिस्तान में दफनाने की तैयारी कर रहे थे, जब दूसरे पक्ष ने आपत्ति जताई। उनका दावा था कि उक्त भूमि विवादित है और राजस्व अभिलेखों में झाड़ी के रूप में दर्ज है। दूसरी ओर, ग्राम प्रधान ओबैदुल्लाह और नसीम अहमद ने दावा किया कि 1940 और 1967 के मुंसिफ हवेली न्यायालय के आदेशों के आधार पर यह भूमि कब्रिस्तान के रूप में उपयोग होती रही है। तनाव की सूचना पर एसडीएम अशोक कुमार, सीओ अनिल वर्मा, कोतवाल सच्चिदानंद सिंह और लेखपाल संतोष कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। राजस्व अभिलेखों की जांच में पाया गया कि विवादित भूमि अब जंगल झाड़ी के रूप में दर्ज है। प्रशासन ने शव को सरकारी कब्रिस्तान में दफनाने का निर्देश दिया, जिसका पालन किया गया। एसडीएम अशोक कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर स्थिति को नियंत्रित किया गया। विवादित भूमि पर कोई गतिविधि न करने का निर्देश दिया गया है, और स्थिति पूरी तरह शांत है। एहतियातन पुलिस बल तैनात रखा गया है।

प्रतापगढ़ में भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व विधायक लक्ष्मी नारायण पांडे का निधन

प्रतापगढ़ (उत्तरशक्ति)। गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व विधायक लक्ष्मी नारायण पांडे गुरुजी को हार्ट अटैक के कारण निधन हो गया । वे 78 वर्ष के थे उनके निधन की खबर से प्रतापगढ़ में शोक की लहर दौड़ गई । लक्ष्मी नारायण पांडे ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय कल्याण सिंह के कार्यकाल में बीरापुर विधानसभा क्षेत्र (वर्तमान में रानीगंज ,) से विधायक के रूप में सेवा की थी । उनकी सादगी और जन सेवा के प्रति समर्पण के लिए उन्हें क्षेत्र में काफी सम्मान प्राप्त था । लक्ष्मी नारायण पांडे लम्बे समय से भाजपा के सक्रिय सदस्य रहे । भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश त्रिपाठी ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा की लक्ष्मी नारायण पांडे एक एक समर्पित नेता और समाजसेवी थे । उनका निधन पार्टी और क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है। यह जानकारी शिव प्रकाश मिश्रा ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी है।

पेड़ प्रकृति से हमारे संबंधों को मजबूत बनाता है : सूरज

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में एक पेड़ मां के नाम अभियान में महाराजगंज अनुमंडल की सवान विग्रह गांव के विश्व भारती ग्लोबल स्कूल में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने पौधरोपण किया। इस अभियान का नेतृत्व विद्यालय के संयोजक भूखल बाबा ने की। विद्यालय के निदेशक सूरज कुमार ने बच्चों को पर्यावरण के प्रति सजग रहने, पौधरोपण के महत्व को समझने और हर छात्र को अपनी मां के नाम पर कम से कम एक पौधा लगाने के लिए प्रेरित किया। शिक्षकों ने बच्चों को बताया कि वृक्ष पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सराहनीय पहल है। विद्यालय के बच्चों ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया। बच्चों ने घरों, आंगनों और आसपास के बगीचों में पौधे लगाकर यह संकल्प लिया कि वे न केवल इन्हें रोपेंगे, बल्कि इनकी वे देखभाल भी पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी से करेंगे। वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं विषय पर विस्तृत चर्चा की गई। शिक्षकों ने उदाहरणों के माध्यम से बताया कि पेड़ लगाना केवल एक पर्यावरणीय कार्य नहीं, बल्कि एक भावनात्मक दायित्व है। यह प्रकृति से हमारे संबंध को मजबूत बनाता है और हमें सामाजिक व सांस्कृतिक जिम्मेदारी का भी बोध कराता है।

पेड़ पौधे पर्यावरण को शुद्ध करते हैं, बल्कि धरती के फेफड़े भी हैं। वे कार्बन डाइऑक्साइड को सोखते हैं और हमें जीवनदायिनी ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। विद्यालय के निदेशक सूरज कुमार कुमार ने बच्चों के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि यह अभियान न केवल बच्चों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का भाव विकसित करेगा, बल्कि उन्हें प्रकृति से जोड़ने का भी एक सशक्त माध्यम बनेगा। मौके पर बच्चों की अलावा विद्यालय शिक्षक शिक्षिकाएं तथा बच्चों के अभीभावक के भी भारी संख्या में मौजूदगी रही।

सनातन धर्म का न आदि है ना अंत: स्वामी हरि चैतन्य पुरी

मुंबई। श्री हरि कृपा पीठाधीश्वर स्वामी हरि चैतन्य पुरी महाराज ने कहा कि हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे हिंदुत्व व सनातन संस्कृति के सदैव पक्षधर रहे और उसके लिए जीवन पर्यन्त समर्पित रहे। मुझे खुशी है कि उनके परिवार ने उसे आगे बढ़ाया है व हमेशा समर्पित भाव से हिंदुत्व व सनातन संस्कृति के प्रचार प्रसार के लिए कार्यरत रहेंगे। चेंबूर (पश्चिम) तिलक नगर स्थित लोक प्रभा सोसायटी में उपस्थित विशाल भक्त समुदाय को संबोधित करते उन्होंने कहा कि सनातन धर्म का आदि है ना अंत, इसलिए इसे सत्य सनातन धर्म कहते हैं। हम सभी का सम्मान करते हैं लेकिन जिसके बनने या बिगड़ने की तारीख पता ना हो जो सृष्टि के आरंभ से पहले व प्रलय के बाद भी रहेगा वही सनातन है। सनातन धर्म हमारे वैज्ञानिक ऋषियों की महान देन है। सनातन संस्कृति ढकोसला नहीं विज्ञान सम्मत है जिसे विज्ञान की कसौटी पर खरा परखा जा सकता है, यदि यह कह दें कि सभी का प्रादुर्भाव सनातन से ही हुआ है तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी। वर्तमान में सनातन के लिए स्वर्णिम काल है। प्रसन्नता होती है जब लोगों में सनातन के लिए पुनः आकर्षण पैदा होते हुए देखते हैं। उन्होंने कहा कि अधर्माचरण करने वाले कुमार्गगामी लोगों का संग त्याग कर, जितेंद्रिय, श्रेष्ठ महापुरुषों का संग व उनकी सेवा करके अपने जीवन को कल्याणमय बनाएं। क्योंकि सत्पुरुषों का आचरण व कार्य सदैव अनुकरणीय होता है। उन्होंने कहा कि सत्संग का प्रकाश हमारे अंतर्मन को प्रकाशित करता है और हमें भी उस ज्ञान रूपी प्रकाश को अपने अंतर्मन में धारण कर परमपिता परमेश्वर को पाने का प्रयास करना चाहिए। इस अवसर पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष अंबादास दानवे ने महाराज जी का स्वागत करते हुए उन्हें राष्ट्र का गौरव बताते हुए कहा कि पूरे विश्व में महाराज जी ने हिंदुत्व व सनातन संस्कृति के प्रचार प्रसार में जो योगदान दिया है वह बहुत ही महत्वपूर्ण है। अपने धारा प्रवाह प्रवचनों से उन्होंने सभी भक्तों को मंत्रमुग्ध व भाव विभोर कर दिया। सारा वातावरण भक्तिमय हो उठा व श्री गुरु महाराज, कामां के कन्हैया व लाठी वाले भैया की जय जयकार से गूंज उठा।

मनरेगा के तहत बनेंगे आंगनबाड़ी केंद्रों के भवन

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज। महाराजगंज प्रखंड अंतर्गत 210 आंगनबाड़ी केदो में अधिकांश आंगनवाड़ी केंद्र भवनहीन है। डीएम के निर्देश पर उनको बनाने के कार्य में तेजी लाने का निर्देश है। चिन्हित करने का काम चल रहा है। यह भवन मनरेगा के द्वारा बनाया जाना है। महाराजगंज में कुल 210 आंगनबाड़ी है। 61 आंगनबाड़ी पक्का के मकान में चलता है।149 आंगनवाड़ी भवन किराए पर चलता है। सिकटिया पंचायत में एक मनरेगा से बना है। कुछ निजी भवन में चलता है तो कुछ निमार्णाधीन है। कई केंद्रों पर भूमि सम्बन्धी समस्या के कारण योजना शुरू नही हो सकी है। आंगनवाड़ी केन्द्रों के निर्माण हेतु भूमि उपलब्धता के संबंध में मनरेगा एवं आईसीडीएस, अंचल कार्यालय को भूमि की जांच कर अग्रेत्तर कार्रवाई कर आंगनवाड़ी केन्द्रों का निर्माण कराने का निदेश दिया गया है। केंद्रवार समीक्षा कर सभी आवंटित भूमि का सीमांकन कराने का सभी सीओ की निदेश दिया गया। सभी बीडीओ व सीओ अपने प्रखंड के कार्यालय एवं पंचायत/हल्का का निरीक्षण करने का निदेश दिया गया है। राजस्व कर्मचारी, अमीन, लिपिक एवं अन्य कर्मियों को भी मिलकर आंगनबाड़ी भवन निर्माण संबंधी समय का ससमय निबटारा कर रिपोर्ट सबमिट करने का निर्देश दिया गया है।क्या कहती हैं सीडीपीओः आधा अधूरा निर्मित, भवनहीन आंगनबाड़ी केदो को चिन्हित करने का काम किया जा रहा जल्द रिपोर्ट सौंप दी जाएगी,कलावती देवी, सीडीपीओ महाराजगंज।

तुलशेत पाड़ा में उमड़ा आस्था का सैलाब, हर हर महादेव के जयकारों से गूंजा भांडुप

मुंबई(उत्तरशक्ति)। सावन माह के पावन अवसर पर रविवार को भांडुप स्थित तुलशेत पाड़ा मरोड़ेश्वर महादेव मंदिर से विशाल कांवड़ यात्रा निकाली गई। महाकाल संगठन ग्रुप द्वारा आयोजित इस यात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालु उमड़े और पूरा भांडुप क्षेत्र ?हर हर महादेव? के जयघोष से भक्तिमय हो उठा। यात्रा की शुरूआत वैदिक मंत्रोच्चार और विधिवत पूजन के साथ की गई। सजाई गई कांवड़ तुलशेत पाड़ा से गॉवदेवी रोड और भट्टीपाड़ा होते हुए भांडुपेश्वर महादेव मंदिर तक पहुंची। जैसे ही कांवड़ यात्रा प्रारंभ हुई, शिव भक्तों की लंबी कतारें दर्शन हेतु लग गईं और देखते ही देखते जनसैलाब उमड़ पड़ा। इस आयोजन को सफल बनाने में महाकाल संगठन के ओमप्रकाश मिश्रा, अविनाश विश्वकर्मा, सोनू कश्यप, सुनील यादव, अतुल सिंह, प्रशांत सिंह, दीपक गुप्ता, दुर्गेश राठौर, राकेश निषाद, संदीप, राहुल निषाद समेत कई कार्यकर्ता सक्रिय रहे। इसके साथ ही समाजसेवी गणेश अमीन, भाजपा ईशान्य मुंबई जिल्हाध्यक्ष दीपक दलवी, श्याम भाई सावंत, रितेश सावंत, प्रवीण दहितुले, भोला मिश्रा, राजबहादुर मिश्रा, सदाशिव चतुर्वेदी, अनिल चतुर्वेदी, दूधनाथ मिश्रा, मीरा ठाकुर, प्रलयप्रसून सिंह सहित अन्य दलों के प्रमुख और कार्यकर्त्ता भी उपस्थित रहे। पूरे आयोजन ने सावन माह की महिमा को और भी गौरवपूर्ण बना दिया तथा भांडुप क्षेत्र को एकता, श्रद्धा और भक्ति का संदेश दिया।

सांसद हेमंत सावरा ने नितिन गडकरी को दिया ज्ञापन, NH-48 की हालत पर तत्काल कार्रवाई का आश्वासन

वसई रोड (पालघर)। पालघर लोकसभा क्षेत्र से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग-48 (NH-48) की जर्जर हालत को लेकर वसई से तलासरी के बीच सड़क की स्थिति पर गंभीर चिंता जताई गई है। इस मार्ग पर गड्ढे, ट्रैफिक जाम और लगातार हो रही दुर्घटनाओं के चलते स्थानीय नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इन्हीं समस्याओं को ध्यान में रखते हुए डॉक्टर हेमंत सांवरा ने केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को ज्ञापन सौंपा और तत्काल कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में निम्नलिखित प्रमुख माँगो में सड़क की तत्काल मरम्मत और पुनर्निर्माण, कार्य की गुणवत्ता हेतु तकनीकी ऑडिट, दोषी ठेकेदारों की जिम्मेदारी तय करना, गड्ढों की जांच के लिए स्वतंत्र तंत्र का गठन, खानीवाड़े (वसई) और अंबोली (तलासरी) में फुट ओवर ब्रिज (FOB) का निर्माण आदि शामिल हैं। गडकरी ने सभी माँगों को स्वीकार कर त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। जल्द ही इन कार्यों की शुरूआत की जाएगी। इसके चलते न केवल आम नागरिकों की यात्रा सुगम और सुरक्षित होगी, बल्कि दुर्घटनाओं की संख्या में भी कमी आएगी।

बीएचयू को मिला नया कुलपति : प्रो . अजीत चतुर्वेदी संभालेंगे जिम्मेदारी

सुरेश गांधी

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) को नया कुलपति मिल गया है। राष्ट्रपति एवं विश्वविद्यालय की विजिटिंग चांसलर द्रौपदी मुर्मू ने आईआईटी कानपुर के प्रोफेसर अजीत कुमार चतुर्वेदी को बीएचयू का 29वां कुलपति नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष की अवधि के लिए या 70 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो, तब तक के लिए प्रभावी होगी। प्रो. चतुर्वेदी का बीएचयू से पुराना रिश्ता रहा है। वर्ष 1994 से 1996 तक वे यहां के आईआईटी बीएचयू (तत्कालीन आईटीझ्रबीएचयू) के इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग में प्रोफेसर के तौर पर सेवाएं दे चुके हैं। अब लगभग तीन दशक बाद वे विश्वविद्यालय की सर्वोच्च प्रशासनिक जिम्मेदारी संभालने जा रहे हैं। प्रो. अजीत चतुर्वेदी ने अपनी पूरी उच्च शिक्षा आईआईटी कानपुर से प्राप्त की है। उन्होंने 1986 में बी.टेक, 1988 में एम.टेक और 1995 में पीएच.डी. की डिग्री इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में हासिल की। 1996 में आईआईटी बीएचयू में शिक्षण कार्य शुरू करने के बाद वे आईआईटी रुड़की में प्रोफेसर नियुक्त हुए। इसके बाद 1999 में वे आईआईटी कानपुर लौटे और वहां विभिन्न प्रशासनिक जिम्मेदारियां संभालीं, जिनमें इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष, अनुसंधान एवं विकास डीन तथा उप निदेशक शामिल हैं। अगस्त 2012 में वे आईआईटी कानपुर के प्रोफेसर बने और 2015 से 'संजय और रचना प्रधान चेयर प्रोफेसरशिप' पर कार्यरत रहे। वर्ष 2017 में वे फिर से आईआईटी रुड़की लौटे, जहां जनवरी 2017 से अक्टूबर 2022 तक संस्थान के निदेशक के रूप में कार्य किया। इसके बाद उन्होंने दोबारा आईआईटी कानपुर में अपनी सेवाएं दीं। प्रो. चतुर्वेदी को कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुए हैं। उन्हें इंडियन नेशनल साइंस अकादमी (क्ठरअ) का टीचर्स अवार्ड, आईआईटी कानपुर का विशिष्ट शिक्षक पुरस्कार और सिंगापुर की नानयांग टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी का टैन चिन तुआन फैलोशिप प्राप्त हुआ है। वहीं तकनीकी क्षेत्र में भारत की अग्रणी संस्था टेलीकॉम स्टैंडर्ड्स डेवलपमेंट सोसाइटी ऑफ इंडिया (ळरउक) के वे संस्थापक सदस्य हैं। बीएचयू के शिक्षकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों में नए कुलपति की नियुक्ति को लेकर आशा और उत्साह है। माना जा रहा है कि प्रो. चतुर्वेदी की प्रशासनिक दक्षता, शिक्षण अनुभव और तकनीकी दृष्टि बीएचयू को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई ऊंचाई दे सकती है।

शॉप्सीच ने पूरे किए 4 साल, 450 मिलियन से ज्यादा डाउनलोड और अब भारत के छोटे शहरों तक बनाई पहुंच

बेंगलुरु। फ्लिपकार्ट का तेजी से बढ़ता हाइपर-वैल्यूद प्लेजटफॉर्म शॉप्सी अपनी चौथी वर्षगांठ मना रहा है। इस मौके पर शॉप्सील ने भारत को किंग/क्वीन साइज जिंदगी देने के अपने मिशन को और मजबूत किया है, ताकि ग्राहकों को कम खर्च में सबसे ज्यादा फायदा मिल सके। अब तक 450 मिलियन से ज्याकदा ऐप डाउनलोड का आंकड़ा पार कर चुका शॉप्सीन देश के चारों कोनों में 19,000+ पिन कोड तक डिलीवरी कर रहा है, जिसमें मेट्रो शहरों से लेकर छोटे-छोटे कस्बों2 तक पहुंच शामिल हैं।

इस साल ही शॉप्सी- से 1.15 करोड़ नए खरीदार जुड़े, जिनमें से कई ने पहली बार ऑनलाइन शॉपिंग की। जैसे-जैसे इसकी पहुंच और गहराई, टियर 4 कस्बों और दूरदराज के ज़िलों – जैसे भागलपुर, मेदिनीपुर, डुंडा और राजनगर – से मांग में तेज बढ़ोतरी देखने को मिली। यह दशार्ता है कि लोग अब शॉप्सीस की किफायती कीमतों, इस्तेमाल में आसानी और 300 रुपए से कम की खास रेंज पर भरोसा कर रहे हैं। शॉप्सीख के बिजनेस हेड, कपिल थिरानी ने कहा, पिछले चार सालों में शॉप्सी देश भर के समझदार खरीदारों के लिए एक पसंदीदा ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म बन गया है। हमारा लक्ष्य हमेशा अच्छी क्वॉलिटी के विविध प्रोडक्ट्स देना, खरीदारी को आसान बनाना और ग्राहकों को स्थानीय अनुभव देना रहा है, खासकर उन छोटे शहरों और कस्बों में जो भारत की असली ताकत हैं। शॉप्सी के प्रोडक्ट्स इन इलाकों की अलग-अलग पसंद और जरूरतों को ध्यान में रखकर चुने जाते हैं। हमने ऐसा प्लेटफॉर्म बनाया है जो बड़े पैमाने पर काम करता है और लोगों की रोजमर्रा की जरूरतों से जुड़ता है। इस खास मौके पर हम हर भारतीय घर तक भरोसेमंद, आसान और किफायती ऑनलाइन शॉपिंग पहुंचाने के अपने मिशन को और मजबूत करने का वादा करते हैं। शुरूआत से अब तक, शॉप्सी.ने अपनी पहुंच को दोगुने से भी अधिक बढ़ाया है और देश के हर कोने तक सामान पहुंचाया है। चाहे सीतामढ़ी में साड़ी हो या मोकोकचुंग में मिक्सर – यह प्लेटफॉर्म भारत के सबसे अंदरूनी इलाकों तक रोजमर्रा की खरीदारी को आसान बना रहा है। मिजोरम, सिक्किम और जम्मू-कश्मीर जैसे राज्यों ने उत्तर और पूर्व भारत में तरक्कीक को बढ़ावा दिया, वहीं तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और गोवा ने दक्षिण और पश्चिम के उभरते बाजारों के रूप में

काशी से जारी होगी किसान सम्मान निधि की तीसरी किस्त

प्रधानमंत्री मोदी 2 अगस्त को वाराणसी दौरे पर, 2200 करोड़ की परियोजनाओं का करेंगे लोकार्पण व शिलान्यास

-सुरेश गांधी

वाराणसी. काशीवासियों के लिए एक बार फिर सौगातों की बौछार लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 अगस्त को अपने एक दिवसीय दौरे पर वाराणसी आ रहे हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री करीब ?2200 करोड़ की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे। साथ ही सेवापुरी स्थित ग्राम बनौली कालिकाधाम में एक विशाल जनसभा को भी संबोधित करेंगे। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित प्रेस वार्ता में काशी क्षेत्र के भाजपा अध्यक्ष दिलीप पटेल ने बताया गया कि प्रधानमंत्री मोदी का सुबह 10:25 बजे बाबतपुर एयरपोर्ट पर आगमन होगा। वहां से वे हेलीकॉप्टर द्वारा सेवापुरी विकासखंड के ग्राम बनौली कालिकाधाम में पहुंचेंगे, जहाँ मुख्य कार्यक्रम निर्धारित है। प्रधानमंत्री की सभा को सफल बनाने के लिए भाजपा संगठन ने व्यापक तैयारियाँ की हैं। 50,000 से अधिक

लोगों की भागीदारी का लक्ष्य रखा गया है। सभी 20 ब्लॉकों में व्यवस्था की दृष्टि से भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता अपनी भूमिका निभाएंगे। संगठन ने प्रत्येक ब्लॉक से 12-12 पदाधिकारियों की विशेष तैनाती की है। इस अवसर पर पार्टी जिलाध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा व मीडिया प्रभारी नवरतन राठी, संतोष सोलापुरकर मौजूद थे. प्रधानमंत्री जिन विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखने और उद्घाटन करने जा रहे हैं, उनमें शामिल हैं: सेवापुरी में 50 बेड के नए सरकारी अस्पताल की आधारशिला, जिसकी अनुमानित लागत करीब ?5 करोड़ है। संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के नवनिर्मित भवन का शिलान्यास, दालमंडी क्षेत्र का चौड़ीकरण, पुराने शहर के क्षेत्रों में बिजली की व्यवस्था सुधारने हेतु अंडरग्राउंड केबलिंग परियोजना का सेकेंड फेज. स्मार्ट सिटी अंतर्गत पथ प्रकाश, नाली-नाला, और पेयजल सुधार परियोजनाएँ, ग्रामीण सड़क व संपर्क मार्ग निर्माण के कार्य, ग्राम्य क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की योजनाएँ। कुल मिलाकर इन परियोजनाओं की अनुमानित लागत 2200 करोड़ से अधिक है। प्रधानमंत्री मोदी किसान सम्मान निधि योजना की तीसरी किस्त का भी शुभारंभ वाराणसी से करेंगे। इस मौके पर देशभर के करीब 9 करोड़ 70 लाख किसानों को यह किस्त प्राप्त होगी, जिसकी शुरूआत काशी से बटन दबाकर की जाएगी।

प्रधानमंत्री के स्वागत हेतु संपूर्ण शहर को सजाया जा रहा है। 1000 से अधिक होर्डिंग्स, भाजपा के झंडे और स्वागत तोरण द्वार लगाए जा रहे हैं। महानगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों के सभी चौराहों, सड़कों और प्रमुख स्थलों पर सजावट का कार्य अंतिम चरण में है। प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर भाजपा द्वारा 28 जुलाई से 1 अगस्त तक विशेष स्वच्छता पखवाड़ा चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत 150 से अधिक स्थानों की विशेष साफ-सफाई करवाई जा रही है, जिनमें महापुरुषों की प्रतिमाएँ, आर-पार मंदिर परिसर, सार्वजनिक स्थल आदि शामिल हैं।

भाजपा जिलाध्यक्ष से लेकर मंडल व बूथ स्तर तक पार्टी के पदाधिकारी प्रधानमंत्री के इस दौरे को सफल बनाने में जुटे हैं। कार्यकर्ताओं में उत्साह चरम पर है। काशीवासियों के लिए यह दौरा एक बार फिर विकास की नई दिशा तय करेगा।

महज डेढ़ माह भी नहीं चल पाया प्रेम विवाह, मामला पहुंचा गया थाने

जौनपुर, जफराबाद। जौनपुर(उत्तरशक्ति) जिले के जफराबाद क्षेत्र अंतर्गत एक गांव में प्रेम विवाह के महज डेढ़ महीने बाद ही प्रेमी द्वारा पत्नी को अपनाने से इनकार करने का मामला सामने आया है। युवती की शिकायत पर पुलिस ने युवक और उसके परिजनों को थाने बुलाया, जहां दोनों पक्षों के बीच पंचायत भी कराई गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव के दलित बस्ती निवासी विकास कुमार (21), पुत्र जीत बहादुर, का अपने ही गांव की अमन कुमारी (22), पुत्री संतोष कुमार, से प्रेम संबंध था। युवती के परिजनों ने पहले उसे चंदवक थाना क्षेत्र स्थित ननिहाल भेज दिया था, लेकिन दोनों का मिलना-जुलना जारी रहा। करीब डेढ़ माह पूर्व दोनों घर से भागकर विवाह कर लिए। विवाह की सूचना मिलने पर युवती के ननिहाल पक्ष ने चंदवक थाने में तहरीर दी। पुलिस ने दोनों को बरामद कर थाने लाया, जहां सुलह-समझौते के बाद दोनों ने केराकत के एक मंदिर में शादी की। विवाह के बाद युवक अपनी पत्नी को लेकर गांव लाया और कुछ दिन बाद उसे लेकर मुंबई चला गया। मुंबई में दोनों के बीच आपसी विवाद शुरू हो गया। इसके बाद युवक ने अपनी पत्नी को दिल्ली में मामा के पास भेज दिया। वहां से युवती अपने मायके लौट आई, जहां मामला फिर तूल पकड़ने लगा। युवक और उसके परिजनों ने उसे अपनाने से इनकार कर दिया। इसके बाद युवती की शिकायत पर पुलिस ने दोनों पक्षों को थाने बुलाया। थाने में पंचायत के बाद युवक ने उसके परिजन युवती को अपने साथ घर ले गए। यह मामला पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

डॉक्टरेट की उपाधि से अलंकृत हुए पत्रकार मुन्ना त्रिपाठी

नई दिल्ली। देश के कई प्रतिष्ठित मीडिया संस्थानों उच्चस्तरीय सेवा देने वाले वरिष्ठ पत्रकार मंगलेश्वर (मुन्ना) त्रिपाठी को नई दिल्ली के इंडिया हाविटेड सेंटर के गुलमोहर ऑडिटोरियम में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में इटली के प्रख्यात विश्वविद्यालय, यूनिवर्सिटी ऑफ उवठएठ द्वारा पत्रकारिता के क्षेत्र में डॉक्टरेट PHD की उपाधि प्रदान की गई। भारत में जमैका दूतावास के हाई कमीशन जॉशन हॉल ऑस्ट्रेलियाई पत्रकार और यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधि डॉ विक गैफनी रशियन दूतावास की अधिकारी एलिना बर्मन, श्रीलंका दूतावास के मंत्री काउंसलर लक्ष्मेंद्र गेशन तथा नाइजीरियन दूतावास के कंसलटिंग डायरेक्टर कांगुना फिलिप के हाथों उन्हें प्रमाण पत्र दिया गया।

जी4एस इंडिया ने आउटस्टैंडिंग सिक्योरिटी परफॉर्मेंस अवॉर्ड्स में दोहरी जीत हासिल की

मुंबई। जो अपनी कठोर मूल्यांकन प्रक्रिया और जूरी-आधारित चयन के लिए प्रसिद्ध हैं, सुरक्षा उद्योग में उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देते हैं। इस वर्ष के पुरस्कारों में प्रतिस्पर्धा काफी तीव्र थी, और विजेताओं का चयन बाजार प्रभाव, नवाचार, और परिचालन उत्कृष्टता जैसे सख्त मानदंडों के आधार पर किया गया।

आउटस्टैंडिंग कॉन्ट्रैक्ट सिक्योरिटी कंपनी (गार्डिंग) का पुरस्कार G4S इंडिया को विभिन्न क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाली सुरक्षा सेवाएं प्रदान करने की प्रतिबद्धता को मान्यता देता है, जिसे मजबूत प्रशिक्षण, तकनीकी समाधानों और सुदृढ़ परिचालन अनुशासन के माध्यम से लागू किया गया है। 135,000 से अधिक कर्मचारियों, 131 शाखाओं में राष्ट्रीय उपस्थिति और तीन दशकों से अधिक की विरासत के साथ,G4S इंडिया ने महत्वपूर्ण अवसंरचना, कॉर्पोरेट कैंपस, सार्वजनिक संस्थानों और औद्योगिक क्षेत्रों सहित विविध वातावरणों में लोगों और परिसंपत्तियों की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रीति पनहानी को आउटस्टैंडिंग कॉन्ट्रैक्ट सिक्योरिटी मैनेजर/डायरेक्टर के रूप में सम्मानित किया गया, और वह भारत के निजी सुरक्षा क्षेत्र में इस श्रेणी में यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली महिला ऑपरेशंस लीडर बनीं। एक अत्यधिक प्रतिस्पर्धी क्षेत्र से चयनित होने के दौरान, जहां वह एकमात्र महिला फाइनलिस्ट थीं, यह उपलब्धि एक ऐसे उद्योग में लैंगिक समावेशन को बढ़ावा देने के प्रयासों में एक मील का पत्थर है जो पारंपरिक रूप से पुरुष प्रधान रहा है। राजीव शर्मा, क्लस्टर मैनेजिंग डायरेक्टर - इंडिया, नेपाल और बांग्लादेश ने कहा, हमें इस अद्वितीय उपलब्धि के लिए पूरे G4S इंडिया परिवार को दिल से बधाई देता हूं। यह हमारे लिए अत्यंत गर्व और आनंद का क्षण है कि हमारे सामूहिक प्रयासों को इतने प्रतिष्ठित मंच पर मान्यता मिली है।

नगर पालिका सीमा विस्तार के चलते वार्डों का आंशिक परिसीमन, आपत्तियों के लिए समय निर्धारित

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर पालिका परिषद मुगराबादशाहपुर के सीमा विस्तार के फलस्वरूप प्रभावित ग्राम पंचायतों, क्षेत्र पंचायतों तथा जिला पंचायत के प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों (वार्डों) का आंशिक परिसीमन किया गया है। इस आशय की जानकारी प्रमुख सचिव, पंचायती राज अनुभाग-3, उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश के क्रम में निदेशक पंचायती राज, लखनऊ द्वारा प्रदान की गई है। प्रशासन द्वारा इस परिसीमन का प्रकाशन कर दिया गया है, जिसे विकास खंड मुख्यालय मुगराबादशाहपुर तथा जिला मुख्यालय पर चस्पा किया गया है ताकि आम नागरिक इसे देख सकें।

आपत्तियों के लिए समय-सीमा निर्धारितः यदि किसी नागरिक को प्रकाशित आंशिक परिसीमन पर कोई आपत्ति है तो वे 29 जुलाई 2025 से 2 अगस्त 2025 तक अपनी आपत्तियाँ निम्नलिखित स्थानों पर लिखित रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं। प्राप्त आपत्तियों का निस्तारण 3 अगस्त से 5 अगस्त 2025 के मध्य किया जाएगा। तत्पश्चात 6 अगस्त से 10 अगस्त 2025 तक प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों की अंतिम सूची का प्रकाशन कर दिया जाएगा। प्रशासन द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया है कि अंतिम प्रकाशन के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति स्वीकार नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी को किए गए परिसीमन पर आपत्ति हो तो निर्धारित समय सीमा में अपनी बात रखें, ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में पारदर्शिता और सहभागिता सुनिश्चित की जा सके।

अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर 2 साल तक करता रहा दुष्कर्म

मडियाहू, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। स्थानीय नगर के एक मोहल्ला निवासी एक विवाहिता ने घर के पड़ोस में मेडिकल स्टोर संचालक पर 2 वर्ष से दुष्कर्म का वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया है। इस संबंध में मडियाहू कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया है। नगर के एक मोहल्ला निवासी एक विवाहिता ने कोतवाली में प्रार्थना पत्र दिया कि सुदनीपुर गांव निवासी अनुज कुमार पटेल की उसके पड़ोस में मेडिकल स्टोर की दुकान है। प्रार्थिनी का उसकी दुकान पर दवा लेने के लिए अक्सर आना-जाना होता था ।उक्त मेडिकल स्टोर संचालक द्वारा उसे दुकान में बुलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया गया तथा उसका वीडियो बना लिया गया। वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसके साथ 2 वर्ष से दुष्कर्म करता रहा। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि उसे धमकी देकर उससे काफी रुपया भी वसूला गया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी अनुज कुमार पटेल निवासी सुदनीपुर के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही कर रही है। प्रभारी निरीक्षक तेज बहादुर सिंह ने बताया कि मुकदमा पंजीकृत कर आरोपी को गिरफ्तार कर चालान न्यायालय भेज दिया गया है।

काशी में पहुंचा भव्य गंगोत्री क्रूज़, यात्रियों को मिलेगा 5 स्टार होटल जैसा अनुभव

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। गंगा किनारे बसी सांस्कृतिक नगरी काशी में फाइव स्टार सुविधाओं वाला गंगोत्री क्रूज बुधवार की शाम रविदास घाट पर पहुंच गया। यह क्रूज 16 जुलाई को कोलकाता से काशी के लिए रवाना हुआ था। इसके जरिये पर्यटक वाराणसी से मिजार्पुर जिले के चुनार किला, विंध्याचल और प्रयागराज तक की यात्रा कर सकेंगे। इसका संचालन अगस्त माह से शुरू किया जाएगा। इसका पैकेज अभी तय नहीं हुआ है।

52 मीटर लंबा और 12 मीटर चौड़ा यह क्रूज नदी में 1.45 मीटर गहराई तक आसानी से यात्रा कर सकता है। इसमें कुल 24 एसी कमरे हैं जिनकी बड़ी-बड़ी खिड़कियों से पर्यटक गंगा घाटों की भव्यता और आसपास की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद ले सकेंगे।तीन मंजिला इस क्रूज में एक साथ 200 यात्री यात्रा कर सकते हैं।

क्रूज में जिम, स्पा, रेस्टोरेंट और सन डेक जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। साथ ही इसमें पर्यटकों के लिए भक्ति संगीत, योग सत्र, बनारसी व्यंजन, हेरिटेज लेक्चर और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी व्यवस्था की गई है। इसके डाइनिंग एरिया और इंटीरियर को बनारसी कला और संस्कृति को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है।

गंगोत्री क्रूज का संचालन वाराणसी के रविदास घाट से किया जाएगा। यह जलयान 15 से 20 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगा और गाजीपुर, मिजार्पुर, चुनार किला, विंध्याचल होते हुए प्रयागराज तक जाएगा। पर्यटक इस क्रूज में 3 से 6 दिन की बुकिंग कर सकेंगे। बुकिंग की सुविधा ऑनलाइन वेबसाइट के माध्यम से उपलब्ध होगी। गौरतलब है कि वाराणसी में पहले से 6 क्रूज का संचालन हो रहा है, जिनमें गंगा विलास और बंगाल गंगा प्रमुख हैं। ये क्रूज पर्यटकों को वाराणसी से लेकर कोलकाता और बंगाल की खाड़ी तक का अनुभव कराते हैं। अब 'गंगोत्री' के आने से बनारस उत्तर भारत में जल पर्यटन का नया केंद्र बनता जा रहा है। क्रूज संचालक जयंत ने बताया कि यह न सिर्फ एक साधारण यात्रा है, बल्कि एक ऐसा अनुभव है जो गंगा की पवित्रता, काशी की सांस्कृतिक समृद्धि और आधुनिक सुविधाओं का एक साथ संगम कराएगा।

महज 7 साल की उम्र में ही एक बिटिया ने किया कुरान मुकम्मल

परिजनों में रहा खुशी का माहौल,सभी ने कराया एक दूसरे का मुंह मीठा

-डॉ.इम्तियाज अहमद

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शहर के मियांपुर मोहल्ले की रहने वाली मन्नत ने महज 7 साल की उम्र में ही अरबी भाषा की मुकद्दस किताब कुरान को मुकम्मल कर-के मोहल्ले का नाम रोशन किया है। जहां एक तरफ इस बात से खुश होकर मोहल्ले वाले बधाई दे रहे हैं। वही परिवार के लोगों भी खुश होकर लोगों में मिठाई बांट रहे हैं। मन्नत ने कहा कि वह इस बात का श्रेय अपनी मां को देना चाहती है। क्योंकि उसने कुरान की शिक्षा अपनी मां से हासिल की है। वही इस बात से खुश होकर शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रही सामाजिक संस्था मुस्लिम एजुकेशन वेलफेयर सोसाइटी के संचालक बख्तियार आलम ने इस बेटी को संस्था की तरफ से सम्मानित करने का निर्णय लिया है। वही रियाजुल हक वरिष्ठ इस्लामिक शिक्षाविद ने बिटिया को आशीर्वाद देते हुए कहा कि एक हाथ में कुरान एक हाथ में विज्ञान रहना चाहिए।समग्र विकाश से ही समाज में समायोजन होगा।

जौनपुर में पार्टी के निर्देश पर चलाया गया सदस्यता अभियान

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। बदलापुर विधानसभा क्षेत्र में लोग जनशक्ति पार्टी के पदाधिकारीओ ने कार्यकताओं के साथ बैठक की। बैठक की अध्यक्षता विकास पांडे ने की,7 अगस्त को दिल्ली कांस्टीट्यूशन क्लब में आयोजित राष्ट्रीय अध्यक्ष केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की आध्यक्षता में उत्तर प्रादेशा कार्यकारिणी की एक बैठक होगी जिसको लेकर जिले के कार्यकताओं के साथ चर्चा की गई। और सदस्यता अभियान के तहत पार्टी में नए कार्यकताओं को भी जोड़ा गया। जिसमें से कुछ दूसरी पार्टी के भी कार्यकर्ता थे जिन्होंने सदस्यता ली है। बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रदेश प्रधान महासचिव विकास पाण्डेय ने कहा कि जिले में क्राइम रेट बहुत बढ़ रहा है। बच्चों में वर्चस्व की लड़ाईयां चल रही है और वर्तमान विधायक और पार्टी का इस पर कोई रुख सामने नहीं आ रहा है। जिससे आम जनमानस परेशान है। सभी लोगों ने उनकी इस बात का समर्थन किया और एक साथ लोजपा के लिए हुंकार भरी । प्रदेश प्रधान महासचिव विकास पाण्डेय ने अनामिका पाण्डेय को महासचिव जौनपुर, राज पाण्डेय को मीडिया प्रभारी, यश सिंह को जिला युवा प्रकोष्ठ का अध्यक्ष नियुक्त किया साथ में दिवाकर चौहान , भैयालाल चौहान ,हान शिवन चौहान, चंदन सिंह, दीपक यादव, आशीष निषाद, सूरज चौहान, प्रमोद दुबे, नर्सिंग निषाद आदि कार्यकर्ता लोजपा की सदस्यता ग्रहण की।

विद्युत कनेक्शन काटने से नाराज लोगों ने लाइनमैन को खंभे से बांधा

मामला कांशीराम आवास का वीडियो वायरल होने से मचा हड़कंप

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत आजमगढ़ मार्ग स्थित कांशीराम आवास में बुधवार को बिजली कनेक्शन काटने पहुंचे एक प्राइवेट लाइनमैन को स्थानीय लोगों ने खंभे से बांध दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही हड़कंप मच गया।

वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि लाइनमैन के हाथ और कमर खंभे से बंधे हैं, जबकि कुछ लोग वहां मौजूद हैं। जानकारी के अनुसार बिजली विभाग की ओर से

बकायेदारों के कनेक्शन काटने का अभियान चलाया जा रहा था। वीडियो मे उक्त लाइनमैन ने बताया कि जेई राजकुमार के आदेश पर उक्त लाइनमैन कांशीराम आवास पहुंचा था।और ट्रांसफार्मर से विद्युत कनेक्शन काट दिया था। बिजली कनेक्शन काटे जाने को लेकर स्थानीय लोगों से विवाद इतना बढ़ा कि गुस्साए लोगों ने लाइनमैन को बंधक बना लिया। सूचना मिलने पर बिजली विभाग के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर लोगों को समझाकर लाइनमैन को मुक्त कराया। हालांकि विभागीय अधिकारी इस पूरे मामले में कुछ भी बोलने से बचते नजर आए। उपखंड अधिशासी अभियंता अमित कुमार शर्मा ने बताया कि विद्युत बिल बकाया होने के कारण कनेक्शन काटने की कार्रवाई की जा रही थी। क्षेत्रीय विधायक रमेश सिंह के आश्वासन पर कनेक्शन जोडा गया है।

पीयूकैट-2025 प्रवेश परीक्षाफल घोषित

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के परिसर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए 18 व 19 जुलाई, 2025 को आयोजित की गई पीयूकैट-2025 प्रवेश परीक्षा का रिजल्ट गुरुवार को कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने ऑनलाइन जारी किया। परीक्षाफल विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। प्रो. मिथिलेश सिंह ने बताया कि शीघ्र ही वेबसाइट पर प्रवेश के लिए काउंसलिंग की तिथियां जारी की जाएगी। उन्होंने बताया कि जिन विषयों में प्रवेश परीक्षा नहीं हुई थी उन विषयों में सीधे प्रवेश की प्रक्रिया जारी है। परीक्षाफल जारी के समय विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ० विनोद कुमार सिंह, उप कुलसचिव अजीत प्रताप सिंह, पीयूकैट -2025 प्रवेश समिति के अध्यक्ष प्रो० रजनीश भास्कर, समन्वयक प्रो० मिथिलेश सिंह, परीक्षाफल तैयार करने के समिति के संयोजक प्रो० देवराज सिंह, सदस्यगण प्रो० संतोष कुमार एवं डॉ० अमरेन्द्र कुमार सिंह उपस्थित रहे।

मेडिकल कालेज जौनपुर में ओ०आर०एस० सप्ताह दिवस पर जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर की प्रधानाचार्य प्रो० डा० रुचिरा सेठी एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो० डा० ए०ए० जाफरी के दिशा निर्देश में डा० ममता, विभागाध्यक्ष पीडियाट्रिक्स विभाग द्वारा ओ०आर०एस० सप्ताह दिवस पर जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डा० ममता, विभागाध्यक्ष पीडियाट्रिक्स विभाग ने बताया कि ओ०आर०एस० सप्ताह भारत सहित पूरे विश्व में 25 जुलाई से 31 जुलाई, 2025 तक मनाया जाता है। जिसका थीम है- अ ३्रेस्त्र'ी रङ्क'४३ङ्क्लल ङ्क१ ' ल्ती'ॐ१ त्र्ब्क३४१ी और स्लोगन है प्रस्त्र रें१३, र३८ र३१ङ्कल्लॅ-रं८ ाे२ ळङ्क डफ्र उन्होंने ओ०आर०एस० क्या है कैसे बनाना है और उसकी उपयोगिता पर चर्चा किया। शरीर में पानी की कमी का लक्षण, कब और कैसे ओ०आर०एस० देना है विस्तार से बताया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रधानाचार्य प्रो० डा० रूचिरा सेठी ने ओ०आर०एस० के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, डायरिया से होने वाली मृत्यु को ओ०आर०एस० जैसे सरल व प्रभावी उपचार से रोका जा सकता है। यह प्रत्येक घर में उपलब्ध होना चाहिए, विशेषकर बच्चों के लिए। उन्होने कहा कि हमारा कर्तव्य है कि हम ओ०आर०एस०-हर घर तक, हर हाथ तकर का संदेश लेकर गाँव-गाँव, गली-गली जाएं और प्रत्येक नागरिक को इसकी उपयोगिता बताएं। विशेषकर हमारी आशा बहनों, एएनएम कार्यकताओं, मेडिकल छात्रों और शिक्षकों की भूमिका इसमें अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उप प्रधानाचार्य, प्रो० डा० आशीष यादव ने अपने उद्बोधन में कहा कि ओ०आर०एस० न केवल एक साधारण घोल है, बल्कि यह हमारे देश में विशेषकर बच्चों और वृद्धो के जीवन की रक्षा करने वाला एक अमूल्य सामाधान है। जब कोई बच्चा या व्यक्ति डायरिया या उल्टी-दस्त से पीड़ित होता है, तब शरीर से जल और लवण की भारी मात्रा में हानि होती है। ऐसी स्थिति में ओ०आर०एस० एक सरल, सुलभ और प्रभावी उपचार है, जो निर्जलीकरण को रोककर जीवन बचा सकता है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो० डा० ए०ए० जाफरी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, विश्व में हर वर्ष लाखों बच्चों की मृत्यु केवल इसलिए हो जाती है क्योंकि उन्हें समय पर ओ०आर०एस० नहीं मिल पाता। यह अत्यंत दुखद है कि एक ऐसा उपचार जो केवल चुटकी भर नमक, चीनी और साफ पानी से बनता है। जानकारी के अभाव में लोगों तक नहीं पहुँच पाता। मैं सभी से आग्रह करता हूँ कि डायरिया की स्थिति में बिना घबराए, ओ०आर०एस० का उपयोग करें और तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें। ओ०आर०एस० का सुझाव केवल सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों तक सीमित न रखें, इसे घर-घर और जन-जन तक पहुंचाना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। डा० अजय कुमार यादव, सहायक आचार्य, पीडियाट्रिक्स विभाग द्वारा ओ०आर०एस० पर लाइव डेमो दिया गया कि घर पर ओ०आर०एस० का घोल कैसे बनाया जाये और सही समय पर उसका कैसे उपयोग किया जाय।

सड़क हादसे में घायल युवक की हुई मौत, परिजनों में मचा कोहराम

-प्रमोद सैनी

बक्शा, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा थाना क्षेत्र के नौपेड़वा बाजार में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। बुधवार शाम को बोलेरो गाड़ी की चपेट में आने से घायल हुये बाइक सवार युवक की बुधवार की शाम जिला चिकित्सालय में उपचार के दौरान मौत हो गयी।

जानकारी के अनुसार नौपेड़वा बाजार के लगभग 28 वर्षीय स्वतंत्र कुमार उमर वैश्य उर्फ कुलदीप नौपेड़वा बाजार से बाइक से जा रहे थे। बाजार में अजेय मेडिकल स्टोर में पीछे से आ रही बोलेरो की चपेट में आने से वे गंभीर रूप से घायल हो गये जिनकी अस्पताल में ले जाने के दौरान उनकी मौत हो गयी। मृतक के पिता स्व. श्रीराम है जिनकी मृत्यु से पूरा परिवार शोक में डूब गया है।

परिवार के मुखिया की असामयिक मौत से पत्नी शिवानी का सहारा छिन गया है। साथ ही 2 महीने का पुत्र कार्तिक बेसहारा हो गया है। परिवार एक इकलौता कमाने वाला था। मृतक की मां कंचन देवी ने अपने पहले पति को खो दिये। अब बेटे को भी खो दिये। मां का सहारा एवं मृतक पत्नी को सम्भालने वाला कोई नहीं रहा। परिवार में परिजन रोते-बिलखते शव को घर ले आये। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है। परिवार के सदस्यों के संतोष कुमार उमर वैश्य उर्फ पप्पू, संदीप उमर वैश्य से पूरे गांव का माहौल गमगीन हो गया है।

दस्तावेज मांगने गए समाजसेवी संदीप को राजस्व विभाग के कक्ष में कथित तौर पर किया बंद

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कलेक्ट्रेट परिसर जैसी न्यायिक गरिमा वाले स्थान पर एक शर्मनाक घटना ने पूरे प्रशासन को कठघरे में खड़ा कर दिया है। दस्तावेज मांगने गए जौनपुर रेस्क्यू टीम के संस्थापक व समाजसेवी संदीप को राजस्व विभाग के एक कक्ष में कथित तौर पर ताला लगाकर बंद कर दिया गया। यह घटना पुलिस अधीक्षक कार्यालय के ठीक सामने स्थित राजस्व विभाग कार्यालय की है। इसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने आम जनता में रोष और प्रशासन पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जानकारी के अनुसार, समाजसेवी संदीप अपनी निजी भूमि से संबंधित अभिलेख की नकल लेने कलेक्ट्रेट स्थित राजस्व विभाग पहुंचे थे। आरोप है कि वहाँ मौजूद कर्मचारियों ने पहले उन्हें टालमटोल किया, फिर कथित रूप से जबरन कार्यालय के अंदर बंद कर बाहर से ताला जड़ दिया। यह पूरा घटनाक्रम न सिर्फ प्रशासनिक लापरवाही को उजागर करता है, बल्कि आम नागरिकों की गरिमा और सुरक्षा पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि राजस्व विभाग में भ्रष्टाचार, ढिलाई और अभद्र व्यवहार की शिकायतें आम रही हैं, लेकिन इस बार मामला मयार्दा और संवैधानिक अधिकारों का खुला उल्लंघन बन गया। लोगों ने प्रशासन से तत्काल सख्त कार्रवाई की मांग की है।

घटना की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों की पहचान की जाए। जिम्मेदार कर्मचारियों को तत्काल निलंबित कर उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज हो। कचहरी परिसर में नागरिकों की सुरक्षा, गरिमा और स्वतंत्रता सुनिश्चित की जाए। अभिलेख व्यवस्था को पारदर्शी और डिजिटल प्रक्रिया से जोड़ा जाए।

मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए अपर जिलाधिकारी भू-राजस्व अजय कुमार विष्ठ ने बताया कि यह घटना 30 जुलाई की है। उस दिन विभाग में एक रिटायर कर्मचारी की विदाई पार्टी थी, जिसमें शाम करीब 4:30 से 5:00 बजे के बीच सभी कर्मचारी शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान फरियादी अभिलेख लेने पहुंचा। एडीएम के अनुसार, कर्मचारियों ने फरियादी से अगली सुबह आने का अनुरोध किया, लेकिन वह बिना अभिलेख लिए जाने को तैयार नहीं हुआ। इसी बीच विभाग के एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी ने उसे कक्ष में बंद कर बाहर से ताला लगा दिया।

अधिकारियों को जैसे ही घटना की जानकारी मिली, तत्काल उसे मुक्त कराया गया। एडीएम ने यह भी कहा कि अभिलेख काफी पुराना है, जिसकी खोज काफी समय से चल रही है। हालांकि उन्होंने माना कि इस घटना में लापरवाही हुई है और इसकी जांच कराई जा रही है।

समाजसेवी और स्थानीय नागरिकों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन इस मामले में शीघ्र सख्त कार्रवाई नहीं करता, तो वे न्यायालय की शरण लेंगे या धरना-प्रदर्शन का रास्ता अपनाएंगे।